भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, भिण्ड , आगरा (उ.प्र.) एवं धौलपुर (राजस्थान) से एक साथ प्रसारित

सच टाइम्स

DAINIK SACH TIMES

वर्ष 18 अंक 109 | मुरैना,मंगलवार 28 जुलाई 2026 | पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹

167 करोड़ की चंबल सूक्ष्म सिंचाई परियोजना पर किसानों का फूटा गुस्सा

पेज : 03

इंस्टाग्राम से जंतर-मंतर तक, बदल गई सियासत

पेज : 04

80 साल की बुजुर्ग मां बेटे के कंधों पर बैठकर पहुंची एसपी ऑफिस, छोटे बेटे-बहू पर घर से निकालने और मारपीट का आरोप

पेज : 06

देहात थाना क्षेत्र में चली मजिस्ट्रेट चेकिंग

पेज : 07

लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक-2026 पेश, पेपर लीक पर 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपये का प्रस्ताव

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, संगठित नकल और अन्य अनियमितताओं पर सख्ती बढ़ाने के लिए सोमवार को लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने सदन में यह विधेयक पेश करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय बनाना है।

सरकार के अनुसार, हाल के वर्षों में प्रश्नपत्र लीक और संगठित परीक्षा घोटालों की घटनाओं को देखते हुए वर्ष 2024 में बने कानून को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता महसूस हुई। इसी उद्देश्य से यह संशोधन विधेयक लाया गया है। प्रस्तावित संशोधन के तहत परीक्षा में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वालों के लिए सजा को और कड़ा किया गया है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में ऐसे मामलों में न्यूनतम तीन वर्ष और अधिकतम पांच वर्ष की सजा का प्रावधान है, जिसे बढ़ाकर न्यूनतम पांच वर्ष और अधिकतम दस वर्ष करने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके साथ ही अधिकतम जुर्माना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने का भी प्रावधान किया गया है।

विधेयक में परीक्षा आयोजित करने वाली सेवा प्रदाता एजेंसियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई का प्रस्ताव है। यदि कोई एजेंसी परीक्षा में धांधली या पेपर लीक में शामिल पाई जाती है तो उस पर अधिकतम 5 करोड़ रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकेगा। साथ ही ऐसी एजेंसी को सार्वजनिक परीक्षाएं आयोजित करने से चार वर्ष के बजाय आठ वर्ष तक के लिए प्रतिबंधित किया जा सकेगा।

सेवा प्रदाता संस्थाओं के प्रबंधकीय अधिकारियों के लिए भी सजा कड़ी करने का प्रस्ताव है। ऐसे मामलों में न्यूनतम पांच वर्ष और अधिकतम दस वर्ष की कैद तथा अधिकतम 5 करोड़ रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकेगा। संगठित तरीके से परीक्षा संबंधी अपराध करने वाले गिरोहों के खिलाफ भी कठोर प्रावधान किए गए हैं। ऐसे मामलों में न्यूनतम सजा सात वर्ष और अधिकतम दस वर्ष तक होगी, जबकि अधिकतम जुर्माना 10 करोड़ रुपये तक लगाया जा सकेगा। विधेयक में जांच और न्यायिक प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया है। इसके तहत केंद्र सरकार को ऐसे मामलों की जांच विशेष कार्यबल (स्पेशल टास्क फोर्स) को सौंपने का अधिकार होगा। जांच दो महीने के भीतर पूरी करनी होगी, जबकि आरोपपत्र दाखिल होने के बाद मामले की सुनवाई विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों में होगी और मुकदमे का निपटारा तीन महीने के भीतर करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक विशेष अदालत के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने का भी प्रावधान किया गया है। विधेयक में यह भी प्रस्ताव है कि विशेष फास्ट ट्रैक अदालत के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में 30 दिनों के भीतर अपील की जा सकेगी और यथासंभव उसका निपटारा तीन महीने के भीतर किया जाएगा। गौरतलब है कि सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 21 जून 2024 से लागू है। यह कानून संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी), बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी तथा केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं पर लागू होता है। इस कानून के तहत सभी अपराध संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-समझौतायोग्य हैं।

नीट पेपर लीक मामले में प्रदर्शनकारी युवाओं को डराया जा रहा : खरगे

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन करने वाले युवाओं को धमकाया जा रहा है और पश्चिम बंगाल तथा बिहार में कई युवाओं को जबरन हिरासत में लिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब प्रदर्शन में शामिल युवाओं के सोशल मीडिया अकाउंटों की भी जांच-पड़ताल की जा रही है, जो एक डरी हुई सरकार की निशानी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने बयान में कहा कि देश का युवा लगातार सरकार से जवाब मांग रहा है, लेकिन अब तक इन सवालों का संतोषजनक उत्तर नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को लेकर छात्रों और अभ्यर्थियों में गंभीर चिंता है।

खरगे ने कहा कि सरकार को यह बताना चाहिए कि 766 दिन पहले शिक्षा क्षेत्र में सुधार और पेपर लीक रोकने के लिए गठित डॉ. राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों का क्या हुआ। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि 895 दिन पहले पेपर लीक रोकने के लिए कानून पारित होने के बावजूद देशभर में बार-बार प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं क्यों होती रहीं।

उन्होंने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कामकाज पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि 647 दिनों तक एजेंसी को पूर्णकालिक महानिदेशक (डायरेक्टर जनरल) क्यों नहीं दिया गया। उनके अनुसार, इससे परीक्षा प्रणाली के संचालन और जवाबदेही पर भी सवाल खड़े होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

डिजिटल गिरफ्तारी से ठगी करने वाले गिरोह का सरगना गोवा से गिरफ्तार

कोलकाता, 27 जुलाई (हि. स.)। पश्चिम बंगाल पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने देशभर में डिजिटल गिरफ्तारी का डर दिखाकर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह के सरगना अमन सिंह को गोवा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, अमन सिंह को रविवार को गोवा में चलाए गए अभियान के दौरान पकड़ा गया। वह समुद्र तट पर एक तंबू में छिपकर रह रहा था। उसे रिमांड पर कोलकाता लाया जा रहा है। जांच में पता चला है कि अमन सिंह अपने साथियों के साथ कोलकाता और साल्ट लेक सहित देश के कई हिस्सों में अवैध कॉल सेंटर चलाता था। गिरोह ने अवैध दूरसंचार व्यवस्था तैयार करने के लिए सिम बॉक्स का भी उपयोग किया। इस मामले में हाल ही में बिधाननगर के इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स थाने में शिकायत दर्ज हुई थी। इसके बाद राज्य पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने जांच शुरू की। पहले गिरफ्तार किए गए आरोपितों से पूछताछ और मोबाइल फोन की जांच के आधार पर अमन सिंह की पहचान की गई। पुलिस के अनुसार, अमन सिंह के खिलाफ मुंबई में भी इसी तरह के साइबर ठगी के मामले दर्ज हैं। इसके अलावा कोलकाता में भी उसके खिलाफ एक अन्य मामला दर्ज है। वह लंबे समय से पुलिस से बचकर फरार चल रहा था। जांच एजेंसियों का कहना है कि अमन सिंह कई राज्यों में दर्ज साइबर ठगी के मामलों का भी मुख्य सूत्रधार है। उससे पूछताछ के आधार पर इस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है।

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के तहत 1.12 लाख से अधिक शिक्षा ऋण स्वीकृत

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। प्रधानमंत्री-विद्यालक्ष्मी (पीएम-विद्यालक्ष्मी) योजना के तहत नवंबर 2024 में शुरू होने के बाद से 21 जुलाई 2026 तक 1,12,817 छात्रों को बिना गारंटी और बिना कोलेटरल (बिना किसी संपत्ति को गिरवी रखे) के शिक्षा ऋण स्वीकृत किए गए हैं। इन ऋणों की कुल स्वीकृत राशि 15,634.78 करोड़ रुपये रही है। शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने सोमवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस केंद्रीय योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक तंगी के कारण कोई भी मेधावी छात्र उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। योजना के तहत देश के शीर्ष गुणवत्ता वाले उच्च शिक्षण संस्थानों (क्यूएचईआई) में मेरिट के आधार पर प्रवेश पाने वाले छात्रों को बिना गारंटी और बिना कोलेटरल के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट हटाने में जुटी दिल्ली पुलिस, सीजेपी आंदोलन से जुड़े 450 डीपफेक अकाउंट भी रडार पर

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 37 दिन तक चले आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित तौर पर आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो और टिप्पणियां साझा किए जाने के मामले में दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है।

पुलिस ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी कर ऐसे सभी कंटेंट को हटाने के निर्देश दिए हैं, जिनमें कथित रूप से अभद्र भाषा, अपमानजनक टिप्पणी या आपत्तिजनक सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही पुलिस ने आंदोलन से जुड़े करीब 450 सोशल मीडिया अकाउंट भी चिह्नित किए हैं, जिन पर डीपफेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार भ्रामक सामग्री प्रसारित करने का आरोप है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री की निगरानी का अभियान लगातार जारी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में विभिन्न प्लेटफॉर्म पर कई पोस्ट और वीडियो अपलोड किए गए थे, जिनमें से कई को हटाया जा चुका है। अन्य आपत्तिजनक सामग्री की भी पहचान की जा रही है और उसे हटाने की प्रक्रिया जारी है।

अधिकारी के मुताबिक दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग सोशल मीडिया कंपनियों को नोटिस जारी कर प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा, आपत्तिजनक टिप्पणी और अपमानजनक कंटेंट वाले पोस्ट हटाने के निर्देश दिए हैं। पुलिस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत अन्य प्लेटफॉर्म पर लगातार नजर रख रही है। जैसे ही कोई आपत्तिजनक पोस्ट सामने आता है, संबंधित प्लेटफॉर्म को उसे हटाने के लिए नोटिस भेजा जाता है। सूत्रों का कहना है कि आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री के खिलाफ अनुचित भाषा का इस्तेमाल करते हुए कई पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल किए गए थे। इन्हीं पोस्ट की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि ऑनलाइन माध्यमों पर कानून का उल्लंघन करने वाली सामग्री के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। जांच के दौरान दिल्ली पुलिस ने करीब 450 सोशल मीडिया अकाउंट भी चिह्नित किए हैं, जिनसे कथित तौर पर आंदोलन से जुड़े डीपफेक वीडियो और एआई जनरेटेड कंटेंट प्रसारित किया गया।

पुलिस ने इन अकाउंट्स को ब्लॉक कराने की सिफारिश संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से की है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इन अकाउंट्स के पीछे कौन लोग या संगठन सक्रिय थे और इनका उद्देश्य क्या था।

उल्लेखनीय है कि शनिवार को केंद्र सरकार द्वारा प्रमुख मांगें स्वीकार किए जाने के बाद सीजेपी ने अपना 37 दिन पुराना आंदोलन समाप्त करने की घोषणा कर दी। संगठन की प्रमुख मांगों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी शामिल था।

दिल्ली के राजघाट पहुंच कर सोनम वांगचुक व उनकी पत्नी ने गांधी जी को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से छुट्टी मिलने के तुरंत बाद सोमवार को पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक ने पत्नी गीतांजलि अंगमो के साथ राजघाट पहुंच कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सोनम वांगचुक ने पत्रकारों से कहा, 'मैं आंदोलन समाप्त होने के बाद बापू के प्रति आभार जताना चाहता था। साथ ही शांतिपूर्ण आंदोलन में हिस्सा लेने वाले सभी देशवासियों को भी धन्यवाद देता हूं। उन्हें यह संदेश देना चाहता हूं कि गांधी जी के दिखाए रास्ते आज भी उतने ही प्रासंगिक और सही हैं जितने 100 साल पहले थे। इसलिए अपना संकल्प पूरा करने के लिए शांति से अपील करनी चाहिए।' शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर वांगचुक ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि एक बार इस्तीफा स्वीकार हो जाए, फिर इसका नतीजा सकारात्मक होगा और देश में सार्थक बदलाव की शुरुआत होगी। स्वस्थ बातचीत और आपसी सम्मान से ही सही नतीजे पर पहुंच सकते हैं। बेहतर सोच-विचार के बाद देश उस सिस्टम को अपनाए जो उसके लिए सबसे अच्छा हो। उल्लेखनीय है कि वांगचुक ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर करीब 37 दिनों तक चले सीजेपी के छात्र आंदोलन के दौरान 26 दिनों तक अनशन रखा था। इसी बीच अस्वस्थ होने के कारण उनको सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उनको गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से आज उनको छुट्टी मिल गई। प्रदर्शन नीट पेपर लीक को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर था जिसके बाद गत शनिवार को शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा दे दिया।

जंगलराज नहीं, विकास और सुशासन के पक्ष में खड़ा है बांकीपुर : नितिन नवीन

पटना, 27 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कहा कि बांकीपुर की जनता ने जिस उत्साह और आत्मीयता के साथ एनडीए के प्रति अपना समर्थन और आशीर्वाद दिया है, वह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि 30 जुलाई को बांकीपुर एक नया चुनावी कीर्तिमान स्थापित करेगा। वे बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के क्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को रोड शो के उपरांत आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पूरे रोड शो के दौरान जनता का अपार स्नेह और विश्वास यह साबित करता है कि बांकीपुर विकास, सुशासन और जनसेवा की राजनीति के साथ मजबूती से खड़ा है।

नितिन नवीन ने भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा का परिचय एक जमीनी कार्यकर्ता के रूप में देते हुए कहा कि उन्होंने बूथ अध्यक्ष से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और आज पार्टी ने उन्हें उनकी मेहनत, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा के आधार पर उम्मीदवार बनाया है।

इस्तीफे के बाद संसद पहुंचे धर्मेंद्र प्रधान, बोले- मैं स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी रूम एक्टिविस्ट नहीं

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद सोमवार को पहली बार संसद पहुंचने पर धर्मेंद्र प्रधान का राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों ने मकर द्वार पर जोरदार स्वागत किया। दरभंगा के भाजपा सांसद गोपालजी ठाकुर ने उनको मिथिला की पारंपरिक पाग पहनाई।

इस पर कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य एवं महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए कहा कि उनका स्वागत ऐसे हो रहा है मानो उन्होंने कोई बड़ी उपलब्धि हासिल की हो। बाद में प्रधान से संसद परिसर में विपक्ष के कुछ सांसद भी मिले। संसद परिसर में जयराम ने मुलाकात के दौरान प्रधान से कहा कि ऐसा होता रहता है। इस पर प्रधान ने कहा, 'मैं स्ट्रीट फाइटर हूं, वातानुकूलित कमरों में बैठने वाला एक्टिविस्ट नहीं।'

कांग्रेस ने संसद भवन परिसर में प्रधान के स्वागत पर भारतीय जनता पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि यह पूरी घटना बेहद शर्मनाक है और देश के युवाओं का अपमान है।

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक इस स्वागत के माध्यम से सरकार ये संदेश देना चाहती है कि प्रधान का इस्तीफा उनकी अंतरात्मा की आवाज पर छात्रों के हित को ध्यान में रखकर स्वेच्छा से लिया गया फैसला था। प्रधानमंत्री ने उनसे इस्तीफा नहीं मांगा। उनके इस फैसले के साथ पूरी सरकार और पूरा संगठन मजबूती से खड़ी है।

देश के मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में अगले छह दिनों में भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में अगले छह दिनों के दौरान कहीं-कहीं पर बहुत भारी बारिश होने की चेतावनी दी। वहीं, पूर्वोत्तर तथा पश्चिमी क्षेत्रों में भी और अधिक वर्षा होने के आसार जताए हैं। आईएमडी के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को सुबह से दोपहर के दौरान कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश होने के आसार हैं। यह सिलसिला रात में भी जारी रह सकता है। इस दिन यहां का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32-34 डिग्री सेल्सियस और 23-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 29 और 30 जुलाई को भी यही स्थिति रह सकती है। लेकिन अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कुछ उतार-चढ़ाव हो सकता है। उल्लेखनीय है कि राजधानी में आज कहीं मध्यम और कहीं पर झमाझम बारिश हुई, जिससे अधिकतम तापमान में कुछ कमी आई और पिछले एक-दो दिनों से उमस भरी गर्मी झेल रहे यहां के लोगों को आज राहत मिली। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों के आस-पास के इलाकों में एक गहरा दबाव बना हुआ था। इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और आज दोपहर के आसपास बालासोर तथा कैनिंग के बीच पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों को पार करने की बहुत संभावना है। उत्तर-पश्चिम भारत के हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 28 से 31 जुलाई के बीच, 28 जुलाई से 2 अगस्त के बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, 28 से 29 जुलाई और 1-2 अगस्त के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश में, 29 जुलाई से 2 अगस्त के बीच पूर्वी राजस्थान में व्यापक बारिश होने के आसार हैं।

स्वामी एवं प्रकाशक रविन्द्र सिंह नवरंग द्वारा वनखंडी रोड़ हरीराज टॉकीज के पीछे, शिवनगर मुरैना (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रक नवीन बंसल द्वारा बंसल ऑफसेट रामजानकी मंदिर के पास, जीवाजीगंज मुरैना से मुद्रित, स्थानीय संपादक- धर्मेंद्र सिंह ''सीताराम जी '', मुरैना, मोबाइल 6261839476
RNI No. MPHIN/2009/45558 फोन 07532-232387 मोवा- 9425334744 तथा सभी विवादों को न्याय क्षेत्र मुरैना ही होगा। डाक पंजीयन चंबल क्रमांक जी-13-2/163/RNP/2025-27, email : sachtimes101@gmail.com

स्काउट-गाइड गतिविधियों को मिलेगी नई गति, जिला सचिव शेखर सिंह यादव ने दी वर्षभर के कार्यक्रमों की रूपरेखा

मुरैना (निज संवाददाता)। भारत स्काउट एवं गाइड, मध्य प्रदेश जिला संघ मुरैना के वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को जिले के विद्यालयों में स्काउट-गाइड गतिविधियों के प्रभावी संचालन के उद्देश्य से प्रशिक्षित स्काउटर एवं गाइडरों की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलेभर से लगभग 90 प्रशिक्षित स्काउटर एवं गाइडरों ने सहभागिता कर आगामी गतिविधियों की रूपरेखा पर चर्चा की।

बैठक की अध्यक्षता जिला मुख्य आयुक्त श्री गिर्राज सिंह यादव ने की। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड संगठन सेवा, अनुशासन, नेतृत्व, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करने का उत्कृष्ट मंच है। विद्यालयों में स्काउट गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित कर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

विशिष्ट अतिथि सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री वीर सिंह यादव ने स्काउट-गाइड की राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, पुरस्कार योजनाओं तथा आगामी आयोजनों की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी प्रशिक्षित स्काउटर-गाइडरों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

बैठक का सफल संचालन श्री अतर सिंह राजपूत ने किया, स्काउटर गाइडर बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि स्काउट-गाइड आंदोलन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि जिला संघ द्वारा वर्षभर प्रशिक्षण शिविर, सेवा कार्य, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, आपदा प्रबंधन, साहसिक गतिविधियाँ, राष्ट्रीय पर्वों पर विशेष कार्यक्रम, प्रवीणता बैज प्रशिक्षण तथा सामाजिक जागरूकता अभियान संचालित किए जाएंगे। उन्होंने सभी प्रशिक्षित स्काउटर-गाइडरों से अपने-अपने विद्यालयों में नियमित रूप से स्काउट इकाइयों का संचालन कर अधिकाधिक विद्यार्थियों को इस आंदोलन से जोड़ने का आह्वान किया।जबकि कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाओं का दायित्व जिला सचिव श्री शेखर सिंह यादव ने संभाला। कार्यक्रम का शुभारंभ स्काउट-गाइड प्रार्थना से हुआ तथा समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। बैठक के पश्चात श्री सीताराम गुर्जर जिला कोषाध्यक्ष ने सभी प्रतिभागियों एवं संचालक मंडल के सदस्यों को स्वल्पाहार कराया गया। अंत में जिला सचिव श्री शेखर सिंह यादव ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षित स्काउटर-गाइडरों एवं आयोजन को सफल बनाने वाले सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि मुरैना जिला आगामी वर्ष में स्काउट-गाइड गतिविधियों में प्रदेश स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा।

'मधुर सुंदरकांड' के लोकार्पण पर बोले डॉ. देवेंद्र तोमरः 'धर्म, साहित्य का सर्वोच्च कलश है '

मुरैना (निज संवाददाता)। मध्य प्रदेश लेखक संघ (इकाई मुरैना) के तत्वावधान में एक गरिमामय साहित्यिक आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अखिल भारतीय स्तर के लोकप्रिय कवि श्री मनोज 'मधुर' की नवसृजित कृति 'मधुर सुंदरकांड' का यूट्यूब पर भव्य लोकार्पण किया गया।

?कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व साहित्य सेवा संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गीतकार डॉ. देवेंद्र तोमर ने की। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार व कवयित्री श्रीमती ललिता दीप तथा म.प्र. लेखक संघ के जिलाध्यक्ष श्री रामबरन शर्मा मंचासीन रहे।

?अतिथियों ने मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. देवेंद्र तोमर ने कहा,

'कवि मनोज मधुर ने अपने काव्य-कौशल, छंदानुशासन और सहज भाषा-शैली के माध्यम से सुंदरकांड को 'मधुर सुन्दर काण्ड' के रूप में प्रस्तुत कर एक नवीन अभिव्यक्ति प्रदान की है।इसमें हनुमान जी को आत्मविश्वास, कर्तव्यनिष्ठा, विवेक और निष्काम सेवा के जीवंत प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करते हुए जीवन के शाश्वत मूल्यों को स्थापित किया गया है। '

इकाई अध्यक्ष श्री रामबरन शर्मा जी के अनुसार, 'मनोज मधुर कृत 'मधुर सुंदरकांड' में भारतीय काव्य-शास्त्र परंपरा का पूरा निर्वाह किया गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कवि मनोज मधुर ने इस रचना में रस, अलंकार और काव्य रीतियों के सहित औचित्य का भी पूर्णतः पालन किया है। प्रतीक और बिंबो के सहित मधुर सुंदरकांड का छंद विधान भी अपने आप में उत्कृष्ट है। देशज शब्दों का प्रयोग इसे अपनत्व प्रदान करता है। कुछ नए प्रसंग इसे विशिष्ट रूप देते हैं। '

मुख्य-अतिथि ललिता दीक्षित 'दीप' ने कहा-

' 'मधुर सुन्दर काण्ड' सरल, सरस और प्रवाहमयी हिंदी के साथ लोकभाषा की मधुरता का सुंदर मिश्रण है। चौपाई, दोहा, सोरठा और विविध छंदों का संयोजन इसे केवल पढ़ने की ही नहीं, बल्कि गाने और सामूहिक पाठ की उत्कृष्ट कृति बनाता है। '

कार्यक्रम के अगले चरण में एक वृहद काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सर्वश्री गीतकार डॉ देवेंद्र तोमर, कवयित्री ललिता दीप, कहानीकार रामबरन शर्मा, मनोज मधुर, नरेश श्रीवास्तव, प्रेम प्रसून, दाताराम स्वदेशी, मुरारी लाल प्रजापति, रामनारायण पुरी सहित अन्य कवियों ने भी रचना पाठ किया।

इस आयोजन में पत्रकार श्री राजेश सिकरवार, शिक्षाविद एवं फिल्मकार उमेश गोंहजे, प्राचार्य अमर डंडौतिया, अशोक गुप्ता, टीटू राजपूत सहित साहित्यकार, पत्रकार, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक एवं धर्म प्रेमी बंधु भारी संख्या में मौजूद थे।

कार्यक्रम का सफल संचालन दाताराम स्वदेशी ने तथा आभार प्रदर्शन मुरारी लाल प्रजापति ने किया।

आयोजन में कु. काजल सिकरवार, पलक सिकरवार, छाया परमार, रौनक शर्मा, समृद्धि सिकरवार, मिनी अग्रवाल, सिमरन सिकरवार, रागिनी सिकरवार, अनुष्का यादव, शिक्षक कुलदीप सिकरवार, अजय गौतम, अजय सिकरवार एवं सहदेव शर्मा ने भी कवि श्री मनोज मधुर की नवसृजित कृति के संबंध में अपने विचार प्रकट किए और सभी ने इस प्रकार के उत्कृष्ट सृजन के लिए श्री मनोज मधुर को बधाई और शुभकामना? प्रेषित कीं।

अन्नकूट प्रसादी वितरण के साथ ही यह धार्मिक एवं साहित्य का आयोजन पूरी गरिमा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

चंबल से उठेगा अहिंसा का नया स्वर, आज मुरैना आएंगे राजागोपाल पी. वी. राजू भाई

पीस टूरिज्म, अहिंसा विद्यालय और शांति सैना के गठन पर होगा मंथन; हिंसा की हर परत समाप्त करने का देंगे संदेश

जौरा, मुरैना (निज संवाददाता)। देश के प्रख्यात गांधीवादी चिंतक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं महात्मा गांधी सेवा आश्रम के अध्यक्ष राजागोपाल पी. व्ही. राजू भाई मंगलवार, 28 जुलाई को अल्प प्रवास पर मुरैना पहुंचेंगे। उनका यह दौरा चंबल अंचल को अहिंसा, सामाजिक न्याय और पीस टूरिज्म की नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस दौरान वे सामाजिक संगठनों, युवाओं, बुद्धिजीवियों एवं गांधीवादी कार्यकर्ताओं के साथ व्यापक संवाद करेंगे।

राजू भाई का मानना है कि 14 अप्रैल 1972 के ऐतिहासिक चंबल दस्यु समर्पण ने इस क्षेत्र की नियति बदल दी। कभी बागी, बीहड़ और बंदूक की पहचान से चर्चित रहा चंबल आज अहिंसा और शांति के अद्वितीय प्रयोग के कारण देश-दुनिया में सम्मानपूर्वक जाना जाता है। उनका विश्वास है कि यही ऐतिहासिक विरासत अब चंबल को विश्व स्तरीय पीस टूरिज्म के केंद्र के रूप में स्थापित करने का मजबूत आधार बन सकती है।

राजू भाई का कहना है कि दस्यु समर्पण के साथ हिंसा का एक स्वरूप अवश्य समाप्त हुआ, लेकिन समाज में आज भी हिंसा अनेक रूपों अर्थात् विभिन्न परतों में मौजूद हैं।

रेत की हिंसा, जल-जंगल-जमीन के अधिकारों पर संघर्ष, महिलाओं के विरुद्ध अत्याचार, सामाजिक असमानता, विस्थापन तथा वंचित समुदायों के शोषण जैसी चुनौतियां आज भी समाज के सामने हैं। उनका मानना है कि इन सभी परतों को अहिंसा, संवाद, संवेदनशीलता और जनसहभागिता के माध्यम से समाप्त करना ही सच्चे अर्थों में शांति स्थापित करने का मार्ग है। इसी उद्देश्य से राजू भाई चंबल अंचल में 'अहिंसा विद्यालय' की स्थापना के प्रयासों को गति दे रहे हैं। यह संस्थान गांधीवादी विचार, अहिंसा, सामाजिक समरसता, नेतृत्व निर्माण और रचनात्मक कार्यों का केंद्र बनेगा, जहां नई पीढ़ी को समाज में शांति और मानवीय मूल्यों की स्थापना का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही समाज के हर वर्ग को जोड़ने के लिए 'शांति सेना' के गठन की प्रक्रिया भी प्रारंभ की जा रही है, जिसमें युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण मानी गई है।

राजू भाई विशेष रूप से चंबल नदी किनारे रहने वाले केवट-मल्लाह समुदाय, आदिवासी समाज, गरीब एवं बेरोजगार युवाओं के जीवन, आजीविका और अधिकारों को लेकर भी गंभीर हैं। उनका मानना है कि क्षेत्र के जल, जंगल और जमीन पर स्थानीय एवं वंचित समुदायों का न्यायसंगत अधिकार सुनिश्चित होना चाहिए। वे शासन-प्रशासन और समाज के बीच संवाद का सेतु बनकर विस्थापन, पुनर्वास तथा आजीविका से जुड़े मुद्दों के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल के पक्षधर हैं।

प्रवास के दौरान राजू भाई सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों और युवाओं के साथ बैठकर आगामी तीन माह की कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श करेंगे, ताकि चंबल में अहिंसा विद्यालय, पीस टूरिज्म, सामाजिक समरसता और जनभागीदारी के इस अभियान को व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा सके।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर के निर्देश

भूमि आवंटन एवं सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के त्वरित निराकरण पर जोर

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को विकास एवं निर्माण कार्यों के लिए शासकीय प्रयोजन की भूमि का आवंटन पोर्टल के माध्यम से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमानुसार प्रक्रिया अपनाकर भूमि आवंटन की कार्रवाई समय पर पूरी की जाए।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत सौम्या आनंद, एसडीएम गगन सिंह मीणा, डिप्टी कलेक्टर विजय शाक्य, पवन घुरैया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत स्वीकृत 15 आंगनबाड़ी केंद्रों की समीक्षा करते हुए बताया कि 11 भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। शेष चार आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण भी शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्कूलों, छात्रावासों एवं आश्रमों के निरीक्षण के बाद संबंधित विभागों के साथ-साथ प्रतिवेदन की एक प्रति कलेक्टर कार्यालय को भी उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का सकारात्मक एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अगले माह की 20 तारीख तक जारी होने वाली ग्रेडिंग को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग ए-ग्रेड प्राप्त करने के लक्ष्य के अनुरूप लंबित शिकायतों का समयबद्ध समाधान करें।

इसके अलावा बैठक में टीएल प्रकरणों तथा कलेक्टर हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की भी विभागवार समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियानः कराहल के हीरापुर और झरेर गांव में ग्रामीणों को किया जागरूक

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन विभाग द्वारा संचालित 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत आदिवासी विकासखंड कराहल के ग्राम हीरापुर एवं झरेर में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवी संस्था जय मारूती नशा मुक्ति केंद्र, श्योपुर के विशेषज्ञ अनिल कुमार, जाकिर खान, इरफान खान, यास्मीन एवं प्रवीन प्रजापति ने ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है तथा इससे दूर रहकर ही स्वस्थ और खुशहाल जीवन संभव है।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने 'नशामुक्त श्योपुर-नशामुक्त भारत' का संकल्प लिया। साथ ही उन्होंने स्वयं नशा न करने तथा अपने परिवार और गांव के प्रत्येक व्यक्ति तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

ग्राम पंचायत सेमलदा हवेली में भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण के आरोप, ग्रामीणों ने की जांच की मांग

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। कराहल जनपद की ग्राम पंचायत सेमलदा हवेली में विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों की शिकायत के बाद मीडिया द्वारा पंचायत के विकास कार्यों का अवलोकन किया गया तथा पंचायत दर्पण पोर्टल पर उपलब्ध अभिलेखों की जांच करने पर कई वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर नियमों की अनदेखी करते हुए लाखों रुपये का भुगतान किया गया। आरोप है कि एक ही क्रमांक के बिलों का दोबारा उपयोग कर राशि निकाले जाने तथा मजदूरी भुगतान में बिना बैंक खाता विवरण, बिना विधिवत चेक वाउचर और आवश्यक दस्तावेजों के भुगतान किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि पंचायत के खाते से लाखों रुपये ऐसी फर्मों के नाम पर जारी किए गए, जिनका स्थानीय स्तर पर कोई अस्तित्व नहीं है। उन्होंने इसे गंभीर वित्तीय अनियमितता बताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

एक माह में ही दरक गई सीसी रोड : ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत द्वारा मुख्य सड़क से शांतिधाम तक निर्मित सीसी रोड का निर्माण हुए अभी लगभग एक माह ही हुआ है, लेकिन सड़क कई स्थानों से दरकने लगी है। उनका आरोप है कि निर्माण कार्य में मानकों का पालन नहीं किया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण में काली गिट्टी की जगह सफेद गिट्टी, रेत के स्थान पर डस्ट तथा सीमेंट की भी निर्धारित मात्रा से कम उपयोग किया गया, जिसके कारण सड़क निर्माण के तुरंत बाद ही जगह-जगह दरारें दिखाई देने लगी हैं। उनका कहना है कि यदि अभी यह स्थिति है तो भारी बारिश के बाद सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने की आशंका है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

भुगतान प्रक्रिया पर भी उठे सवाल : ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में लाखों रुपये का भुगतान वाउचर के माध्यम से किया गया, जबकि कई वाउचरों पर बैंक खाता संख्या, रसीदी टिकट, आवश्यक हस्ताक्षर एवं अन्य अनिवार्य औपचारिकताएं नहीं थीं। ग्रामीणों ने इसे वित्तीय नियमों का उल्लंघन बताते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

यूरिया के लिए परेशान किसान, दलाल सक्रिय; ऑनलाइन साइट दिनभर बंद

मुरैना (निज संवाददाता)। जिले के किसान यूरिया खाद की किल्लत से परेशान हैं। सरकारी दर पर उपलब्ध यूरिया दलालों के माध्यम से महंगे दामों में बिक रहा है। किसानों का आरोप है कि 275 रुपये की यूरिया की बोरी उन्हें 500 से 600 रुपये तक में खरीदनी पड़ रही है। समस्या का एक बड़ा कारण ऑनलाइन बुकिंग साइट का बार-बार बंद रहना भी बताया जा रहा है। जिले में यूरिया बुकिंग के लिए आधिकारिक ऑनलाइन साइट दिनभर बंद रहती है और 24 घंटे में महज 10 मिनट के लिए ही खुलती है। इतने कम समय में अधिकांश किसान बुकिंग नहीं कर पाते, जिससे कालाबाजारी और दलाली बढ़ रही है।

किसान संगठनों का कहना है कि समय पर यूरिया उपलब्ध न होने से खरीफ फसल की बुवाई प्रभावित हो रही है। वे प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ऑनलाइन साइट नियमित रूप से चलाई जाए तथा दलालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

167 करोड़ की चंबल सूक्ष्म सिंचाई परियोजना पर किसानों का फूटा गुस्सा

भ्रष्टाचार की जांच और तत्काल टेस्टिंग की मांग को लेकर हजारों किसानों का धरना
1 अगस्त तक पानी नहीं मिला तो 2 अगस्त से उग्र आंदोलन की चेतावनी

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिले के 35 गांवों के किसानों के हित में लगभग 167 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की गई चंबल सूक्ष्म सिंचाई परियोजना वर्षों बाद भी किसानों के लिए केवल उम्मीद बनकर रह गई है। परियोजना की टेस्टिंग शुरू न होने और खेतों तक सिंचाई का पानी नहीं पहुंचने से नाराज किसानों का आक्रोश सोमवार को ग्राम चंद्रपुरा में खुलकर सामने आया। बड़ी संख्या में किसान धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए और शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए परियोजना की तत्काल टेस्टिंग, तकनीकी खामियों को दूर करने तथा निर्माण कार्य में हुई कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक चले धरने के दौरान किसानों ने स्पष्ट कहा कि यदि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद परियोजना का लाभ उन्हें नहीं मिलता, तो यह किसानों के साथ बड़ा अन्याय है। प्रदर्शन के बाद किसानों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

किसान नेता राधेश्याम मीणा मूंड़ला ने कहा कि 35 गांवों के किसानों की सिंचाई सुविधा के लिए बनाई गई यह परियोजना आज तक धरातल पर सफल नहीं हो सकी। निर्माण कार्य में गंभीर लापरवाही और कथित भ्रष्टाचार के कारण किसान अपने खेतों तक पानी पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जल संसाधन विभाग ने जून माह में परियोजना की टेस्टिंग कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक परीक्षण शुरू नहीं हुआ। जबकि वर्तमान में चंबल मुख्य दाहिनी नहर में पर्याप्त जल प्रवाह उपलब्ध है, इसके बावजूद किसानों को पानी नहीं मिल रहा है।

धरना स्थल पर तहसीलदार सुरेश राठौर एवं सिंचाई विभाग के एसडीओ आर.एन. तिवारी पहुंचे और किसानों से चर्चा की। अधिकारियों ने परियोजना की टेस्टिंग शीघ्र शुरू कराने तथा किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने का आश्वासन दिया। हालांकि किसानों ने अधिकारियों के सामने परियोजना निर्माण में कथित भ्रष्टाचार, तकनीकी खामियों और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए।

किसान नेता राधेश्याम मीणा मूंड़ला ने कहा कि 167 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी परियोजना का लाभ यदि किसानों तक नहीं पहुंचता, तो यह सरकारी धन की बर्बादी और किसानों के साथ विश्वासघात है। उन्होंने मांग की कि परियोजना की तत्काल टेस्टिंग कर सभी तकनीकी कमियों को दूर किया जाए, निर्माण एवं क्रियान्वयन में हुई कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कर दोषी कंपनी, अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

धरने के दौरान किसान नेता हनुमान मीणा जैदा ने कहा कि किसान लंबे समय से अपनी सिंचाई की समस्या को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो आंदोलन और अधिक व्यापक रूप लेगा।

किसानों ने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 1 अगस्त तक 35 गांवों के किसानों के खेतों में सिंचाई का पानी नहीं पहुंचा, तो 2 अगस्त से अनिश्चितकालीन और उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। किसानों का कहना है कि यह संघर्ष केवल पानी के लिए नहीं, बल्कि करोड़ों रुपये की परियोजना में हुई कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच और दोषियों को सजा दिलाने के लिए भी जारी रहेगा।

धरना-प्रदर्शन में किसान नेता राधेश्याम मीणा मूंड़ला, हनुमान मीणा जैदा, अखिलेश मीणा लूंड, धर्मेंद्र सिंह चंद्रपुरा, मुकेश मीणा हिरनीखेड़ा, सरपंच धर्मराज मीणा लूंड, पूर्व सरपंच शिशुपाल मीणा भसुंदर, शुभम नागर, धर्म सिंह, शंकरलाल भसुंदर, रामभरत रामगांवाड़ी, मानसिंह बैरवा, महावीर सेन, गोकर्ण धाकड़, कुंज बिहारी, रोशन मीणा, गिर्राज मीणा, मनोहर, पवन, गिरिराज, बेनी प्रसाद, प्रदीप धाकड़, रुकमल, चेतन, जुगल किशोर, नंदबिहारी, दादा तिवारी, काशीराम, श्याम गुर्जर, दीनदयाल सेन, राम अवतार, रामसिंह, परीक्षित, दीनबंधु, दीपांशु, शिवचरण, केदार, रामप्रसाद, बिहारीलाल सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

वार्ड 22 में रू.16 लाख से अधिक के सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। नगर पालिका परिषद श्योपुर द्वारा शहर के वार्ड क्रमांक 22 में विभिन्न गलियों में 16 लाख रुपये से अधिक की लागत से सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। निर्माण कार्य शुरू होने से वार्डवासियों में खुशी का माहौल है। भूमिपूजन कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष रेनू-सुजीत गर्ग, भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण, वार्ड पार्षद खालिद फारूखी, पार्षद विष्णु पराशर, जुगल मेहरा, राजू तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नागरिकों ने अतिथियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया और क्षेत्र में लंबे समय से आवश्यक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य शुरू होने पर नगर पालिका अध्यक्ष एवं परिषद का आभार व्यक्त किया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नगर के सभी वार्डों में चरणबद्ध तरीके से सड़क, नाली और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास कार्य कराए जा रहे हैं, ताकि नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश भी दिए।

गायत्री शक्ति पीठ श्योपुर में गौ सम्मान अभियान के तहत हुआ गौ पूजन

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। गायत्री शक्ति पीठ श्योपुर में गौ सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत सोमवार को श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ गौ माता पूजन-अर्चन किया गया। कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गौ माता की पूजा कर गौ संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर गायत्री परिवार श्योपुर के जिला समन्वयक चौथमल शर्मा ने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गौ माता का पूजन कराया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ माता को विशेष सम्मान प्राप्त है तथा गौ सेवा को पुण्य का कार्य माना गया है।

कार्यक्रम में गायत्री परिवार के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी आदित्य चौहान, वरिष्ठ परिजन बृजनेश सिंह परिहार सहित छात्राओं ने भी श्रद्धापूर्वक गौ माता का पूजन कर अभियान में सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थितजनों को गौ संरक्षण, भारतीय संस्कृति के संवर्धन तथा सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

चंद्रपुरा गांव में तीन घरों में चोरी, ताले तोड़कर बाइक, गैस सिलेंडर और किराना सामान ले उड़े चोर

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिले के चंद्रपुरा गांव में अज्ञात चोरों ने एक ही रात में तीन घरों को निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने घरों के ताले तोड़ दिए, जबकि मकान की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया और बाइक, गैस सिलेंडर सहित किराने का सामान चोरी कर ले गए। लगातार हुई इन वारदातों से पूरे गांव में आक्रोश और दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार अज्ञात चोरों ने तीन अलग-अलग घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया। एक घर में दीवार तोड़कर प्रवेश किया गया, जबकि अन्य मकानों के ताले तोड़कर सामान पार कर दिया गया। चोरी में एक मोटरसाइकिल, गैस सिलेंडर तथा किराना सामग्री सहित अन्य सामान ले जाने की बात सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है।

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी तथा क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

संत रविदास जयंती पर भाजपा चलाएगी समरसता संकल्प अभियान, जिला कार्यशाला आयोजित

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत गुरु रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक समरसता संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण ने की।

कार्यशाला में पूर्व विधायक बृजराज सिंह चौहान, सहरिया विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष गुड्डीबाई, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक गर्ग, जिला महामंत्री संजय अकोदिया तथा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजेंद्र अकोदिया सहित जिला एवं मंडल पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चा-प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण ने कहा कि संत गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर पार्टी द्वारा व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। अभियान के तहत संत रविदास के जीवन-दर्शन, समता, भक्ति, सेवा, सामाजिक न्याय और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि अभियान के कार्यक्रम जिले के सभी मंडलों और बूथ स्तर तक आयोजित किए जाएंगे। इनमें पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, मंडल एवं बूथ कार्यकर्ताओं के साथ-साथ सभी वर्गों, समाजसेवियों और प्रतिष्ठित नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

इस अवसर पर पूर्व विधायक बृजराज सिंह चौहान ने कहा कि संत रविदास भारतीय समाज में समरसता, समानता और मानवता के महान प्रेरणास्रोत रहे हैं। उनके विचार आज भी समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को सफल बनाने के लिए पूरे समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यशाला में आगामी सात माह तक चलने वाले अभियान की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई तथा संगठनात्मक जिम्मेदारियों का निर्धारण भी किया गया।

किसानों की समस्याओं पर किसान कांग्रेस का सरकार के खिलाफ मोर्चा, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मूंग खरीदी, खाद संकट, सिंचाई, बिजली और आवारा पशुओं से फसल सुरक्षा सहित कई मांगें उठाईं; कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस, तहसील विजयपुर ने सोमवार को किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विजयपुर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। किसान कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रदेश का किसान आज सरकारी नीतियों की खामियों और प्रशासनिक लापरवाही के कारण गंभीर संकट से गुजर रहा है। यदि समय रहते किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो संगठन व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेशभर के किसान मूंग की सरकारी खरीदी में देरी, ई-टोकन प्रणाली की जटिल प्रक्रिया, डीएपी और यूरिया की भारी कमी, चंबल मुख्य दाहिनी नहर में पर्याप्त सिंचाई जल नहीं मिलने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में अनियमित बिजली आपूर्ति जैसी समस्याओं से परेशान हैं। इन कारणों से किसानों की खेती प्रभावित हो रही है और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसान कांग्रेस ने मांग की कि प्रदेश के सभी किसानों की मूंग की शत-प्रतिशत सरकारी खरीदी तत्काल सुनिश्चित की जाए। ई-टोकन व्यवस्था समाप्त कर सरल और पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए, ताकि किसानों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही डीएपी, यूरिया और अन्य उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

संगठन ने यह भी मांग की कि चंबल मुख्य दाहिनी नहर में सिंचाई के लिए पानी की मात्रा तत्काल बढ़ाई जाए तथा खरीफ सीजन को देखते हुए नहर का संचालन लगातार चार माह तक किया जाए, जिससे किसानों की फसलों को समय पर सिंचाई मिल सके। ज्ञापन में ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, खराब ट्रांसफार्मरों को शीघ्र बदलने, लंबे समय से लंबित चेटीखेड़ा बांध निर्माण कार्य को जल्द शुरू करने, भू-अभिलेखों की जियो-टैगिंग में आ रही त्रुटियों को दूर करने तथा आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था लागू करने की भी मांग की गई। किसान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि किसान पहले से ही प्राकृतिक चुनौतियों और बढ़ती लागत से जूझ रहा है। ऐसे में यदि सरकार समय रहते उसकी समस्याओं का समाधान नहीं करती, तो किसानों की आर्थिक स्थिति और अधिक खराब होगी। उन्होंने सरकार से किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। ज्ञापन सौंपने के दौरान राममूर्ति मीणा (जिला संगठन महामंत्री किसान कांग्रेस), दिलीप रावत (जिला उपाध्यक्ष किसान कांग्रेस), महेश कुशवाहा (पूर्व जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी), हरकिशन कुशवाहा (ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी विजयपुर), रवि जादौन (जिला उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस), प्रेम सिंह कुशवाहा (ब्लॉक अध्यक्ष किसान कांग्रेस विजयपुर), राम लखन राठौर (कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष किसान कांग्रेस अगरा), मेहरबान सिंह रावत (कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष किसान कांग्रेस विजयपुर), जितेंद्र धाकड़ (मंडल अध्यक्ष बेनीपुरा), सोनू धाकड़ (इकलौद मंडल अध्यक्ष) सहित किसान कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस व्दारा नशामुक्ति अभियान 'नशे से दूरी है जरुरी 2.0' के तहत शिवपुरी शहर के प्रमुख स्थानों पर लोगों को नशा से होने वाले दुष्प्रभावों के लिये जागरुक किया एवं नशामुक्ति हेतु शपथ दिलायी।.....

शिवपुरी (निज संवाददाता)। पुलिस मुख्यालय भोपाल व्दारा मध्य प्रदेश में चलाये जा रहे नशामुक्ति अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक शिवपुरी यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को नशामुक्ति अभियान के क्रियान्वयन के लिये आदेशित किया है, जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री सचिन कुमार धुर्वे के मार्ग निर्देशन में कोतवाली टीआई रोहित दुबे व्दारा दिनांक 26.07.26 को गांधी चौक पार्क पर नशामुक्ति के संबंध में शिवपुरी शहर के व्यापारी वर्ग को नशा से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में अवगत कराया गया एवं समस्त व्यापारी वर्ग को नशामुक्ति हेतु शपथ दिलाई गयी जो व्यापारी वर्ग व्दारा कोतवाली पुलिस व्दारा चलाये जा रहे नशामुक्त अभियान की प्रशंसा की बाद टीआई रोहित दुबे व्दारा शहर के शॉपिंग संस्थान सिटी कार्ट व स्मार्ट बाजार में कार्यरत कर्मचारियो व शॉपिग मॉल में उपस्थित ग्राहको को नशा से होने वाले दुष्प्रभावो के बारे में अवगत कराकर नशे से दूरी बनाये रखने हेतु समझाइस दी गयी एवं शॉपिंग माल के कर्मचारियो व ग्राहको को नशामुक्ति हेतु शपथ दिलायी गयी थाना प्रभारी कोतवाली रोहित दुबे व्दारा अपने स्टाफ के साथ विगत दिनो से लगातार शिवपुरी शगर के सार्वजनिक स्थानो, स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानो में लगातार नशामुक्ति के संबंध अभियान चलाया जा रहा है जिसमें लोगो को नशा से होने वाले दुष्प्रभावो के बारे में अवगत कराकर लोगो को नशा न करने हेतु शपथ दिलवायी जा रही है जो अभियान समाप्ति तक नशामुक्ति कार्यक्रम निरंतर जारी रहेंगे।

सराहनीय भूमिका:. उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी थाना कोतवाली निरीक्षक रोहित दुबे, उनि0 विवेक भट्ट, प्र.आर. 374 गजेन्द्र परिहार, प्र.आर. 570 विनय सिंह, प्र.आर. 829 विपिन भदौरिया, आर. 767 अजीत राजावत, आर. 265 देवेन्द्र रावत, आर. 574 अंकित शर्मा, की भूमिका रही।

राष्ट्रपति अवॉर्ड से सम्मानित वासुदेव रावत सिंहनिवास बने सब इंस्पेक्टर, मिला पदोन्नति का तोहफा....

शिवपुरी (निज संवाददाता)। शिवपुरी के सिंहनिवास गांव के पुलिस विभाग में अपनी कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और बेहतरीन सेवाओं के लिए पहचाने जाने वाले वासुदेव रावत जी को पदोन्नति (प्रमोशन) देकर सब इंस्पेक्टर (SI) बनाया गया है। इससे पहले वे सहायक उपनिरीक्षक (ASI) के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे।

वासुदेव रावत जी अपनी उत्कृष्ट और निष्ठावान सेवाओं के लिए पूर्व में 'राष्ट्रपति अवॉर्ड' से भी सम्मानित किए जा चुके हैं। उनकी यह नई उपलब्धि

उनके वर्षों के कड़े परिश्रम, समर्पण और समाज के प्रति सेवा भाव का प्रतिफल है।

उनकी इस पदोन्नति पर परिवारजनों, सहकर्मियों और स्थानीय नागरिकों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। लोगों का कहना है कि वासुदेव जी का समर्पण, मेहनत और ईमानदारी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है और उनकी यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र व विभाग के लिए गर्व का विषय है।

सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की मंगलकामनाएं की हैं।

राजा की मुड़ेरी के पास हादसा: अनियंत्रित ट्रैक्टर के नीचे आया 16 वर्षीय किशोर, मौके पर मौत

शिवपुरी (निज संवाददाता)। जिले के सिरसौद थाना क्षेत्र में सोमवार को दर्दनाक सड़क हादसे में 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। राजा की मुड़ेरी गांव के पास ट्रैक्टर अनियंत्रित होने पर चालक किशोर ने जान बचाने के लिए ट्रैक्टर से छलांग लगा दी, लेकिन वह पहिए की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक बैराड थाना क्षेत्र के बूढ़दा गांव निवासी 16 वर्षीय रितिक धाकड़ पुत्र लक्ष्मण धाकड़ ट्रैक्टर लेकर अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान राजा की मुड़ेरी गांव के पास अचानक

ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया। स्थिति बिगड़ती देख रितिक ने ट्रैक्टर से कूदकर खुद को बचाने का प्रयास किया, लेकिन दुर्भाग्यवश वह ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आ गया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही सिरसौद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण ट्रैक्टर का अनियंत्रित होना बताया जा रहा है। घटना के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है।

संपादकीय

स्मृतियों में जिम कॉर्बेट

प्रयाग पाण्डे

प्रकृति के सजग चितेरे, वन्यजीव विज्ञानी, शिकार कथा लेखक और प्रसिद्ध शिकारी जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट यानी जिम कॉर्बेट की 151वीं जयंती 25 जुलाई के साथ खामोशी के साथ गुजर गई। 71 वर्ष पूर्व उनकी आत्मा अनंत में विलीन हो चुकी है। इसके बावजूद नेकदिली और भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट भारत के सामाजिक जीवन का अटूट हिस्सा बने हुए हैं। जिन लोगों ने जिम कॉर्बेट को कभी देखा नहीं, वे भी गरीबों से अगाध प्रेम करने वाले नेक दिल इंसान के रूप में जिम के प्रति श्रद्धा रखते हैं।

जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट के पुरखे मूलतः आयरिश नागरिक थे। कॉर्बेट का कुटुंब तीन पीढ़ियों तक भारत में रहा। जिम कॉर्बेट का जन्म 25 जुलाई,1875 को नैनीताल में हुआ था। इस दृष्टि से वे जन्म से भारतीय थे। संस्कारों से भी। जिम के पिता का नाम क्रिस्टोफर विलियम कॉर्बेट था। वे नैनीताल के हेड पोस्ट ऑफिस में पोस्ट मास्टर थे। उनकी मां का नाम मैरी जेन कॉर्बेट था।

जिम कॉर्बेट की ख्याति कुशल शिकारी और शिकार कथा लेखक के रूप में है, लेकिन यह उनके व्यक्तित्व का अधूरा पक्ष है। वे अचूक निशानेबाज तो थे ही, इसी से उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। इसके इतर वे गरीबों के प्रति अत्यधिक उदार और मानवीय गुणों से भरे संवेदनशील भलमानुष भी थे। उन्होंने अनेक बार स्वयं के जीवन को गंभीर संकट में डालकर मानव जीवन की रक्षा की। इसी भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट के जन्म से ईसाई होने के बावजूद उत्तराखंड की धर्मभीरू जनता ने उन्हे 'गोरा साधु' की संज्ञा दी थी।

जिम कॉर्बेट ने करीब डेढ़ हजार लोगों को मारने के लिए जिम्मेदार दर्जन भर से अधिक खूंखार नरभक्षियों का अत्यंत साहस और बहादुरी के साथ मुकाबला किया। अपने प्राणों की परवाह किए बिना नरभक्षियों से लड़े। जिन आदमखोरों के सामने देश- विदेश के अनेक नामचीन निशानेबाजों ने हथियार डाल दिए थे, जिम कॉर्बेट ने अकेले उनका खात्मा कर उत्तराखंड के निवासियों को नरभक्षियों के आतंक से मुक्ति दिलाई। इस वजह से उत्तराखंड का जनमानस जिम कॉर्बेट को चमत्कारिक शक्ति से संपन्न व्यक्ति मानता था।

जिम कॉर्बेट के जीवन का अधिकांश हिस्सा कुदरत के निकट बीता। उन्होंने जंगल को अपने भीतर सोख लिया था। उनका संपूर्ण जीवन प्रकृति के सूक्ष्म और गहन रहस्यों को जानते और आत्मसात करने में बीता। स्वअर्जित जंगल ज्ञान के बूते ही वे प्रकृति के ज्ञाता बने और दुर्दांत नरभक्षियों को मारने में सफल हुए। जिम कॉर्बेट का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे प्रकृति विज्ञानी, वन्यजीव विशेषज्ञ एवं मशहूर शिकारी थे साथ ही वन्यजीव रक्षक भी। उन्होंने रेलवे में नौकरी की। सेना में भी सेवाएं दी। जिम कॉर्बेट को सेना में कर्नल की पदवी से नवाजा गया था। वे लोकप्रिय जनप्रतिनिधि भी रहे।

जिम कॉर्बेट ने 1907 से 1940 के कालखंड में नैनीताल नगर पालिका के सदस्य, उपाध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कार्यवाहक अध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन किया। वे ठेकेदार भी थे और संपत्ति एजेंट भी। जिम सिद्धहस्त लेखक भी थे और प्रसिद्ध वन्यजीव फोटोग्राफर भी। जिम की तत्कालीन अंग्रेज शासकों के साथ निकटता भी थी और वे भारत के गरीबों के अजीज दोस्त एवं हमदर्द भी थे। जिम कॉर्बेट के व्यक्तित्त्व का सबसे उजला पक्ष था- उनकी दानशीलता और गरीबों के प्रति आत्मीयता। 1893 से 1914 के दौरान मोकामाघाट में रेलवे की नौकरी के कालखंड को छोड़कर जिम कॉर्बेट का अधिकांश जीवन नैनीताल और कालाढूंगी में ही बीता।

जिम कॉर्बेट भारत भूमि और भारत के गरीबों से बेपनाह मोहब्बत करते थे। जिम कॉर्बेट ने अपनी बहुचर्चित किताब 'माय इंडिया' हिंदुस्तान के गरीबों को समर्पित की है। जिम कॉर्बेट ने 'माय इंडिया' की प्रस्तावना में लिखा, 'जिस हिंदुस्तान को मैं जानता हूं, उसमें चालीस करोड़ लोग रहते हैं, जिनमें से नब्बे फीसदी लोग सीधे- सादे, ईमानदार, बहादुर, वफादार और मेहनती हैं, जिनकी रोजाना की इबादत- ऊपर वाले से और जो भी सरकार गद्दी पर हो, से यही रहती है कि उनकी जान-माल की सलामती बनी रहे और वो अपनी मेहनत का फल अच्छे से खा सकें। हिंदुस्तान के ये वो लोग हैं, जो निपट गरीब हैं और जिन्हें अक्सर 'हिंदुस्तान के करोड़ों अधपेटे' कहा जाता है। ये वे लोग हैं जिनके बीच मैं रहा हूं और जिनसे मैं मोहब्बत करता हूं। यही वो लोग हैं जिनके बारे में बताने की कोशिश मैं इस किताब के पन्नों में करूंगा और यह किताब मैं अपने उन्हीं दोस्तों के नाम करता हूं। हिंदुस्तान के गरीबों के नाम। '

जिम कार्बेट और उनकी बहन मारग्रेट विनिफर्ड 'मैगी' ने 30 नवंबर, 1947 को भारी मन से नैनीताल को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था। वे रोते- बिलखते सेवकों को छोड़कर केन्या की ओर चल पड़े। जिम कॉर्बेट और मैगी कभी नैनीताल नहीं छोड़ना चाहते थे। नैनीताल छोड़ते समय अपनी मनोदशा के बारे में जिम कॉर्बेट की बहन मैगी ने केन्या से अपने किसी मित्र को भेजे पत्र में लिखा था, 'जिस सुबह हम निकलने वाले थे, सुबह सबसे पहले हमने तालाब को देखा, सुबह की रोशनी में तालाब बेहद खूबसूरत दिख रहा था। तालाब की इस खूबसूरती को शब्दों में व्यक्त कर पाना असंभव है। हमारे नौकरों ने हमारा जाना आसान नहीं किया, वे रो रहे थे। उनके आंसू गालों से नीचे को लुढ़क रहे थे। जब हम पहाड़ी से नीचे उतर रहे थे, हमने मुड़कर उस घर (गर्नी हाउस) को देखा, जिस घर को अब हम दुबारा कभी नहीं देख पाएंगे। ' जिम कॉर्बेट बेहतरीन शिकारी ही नहीं बल्कि उच्चकोटि के आदर्शवादी इंसान भी थे। वे आमदखोर जानवर को भी अपने बचाव का भरपूर अवसर देने के प्रबल पक्षधर थे। जिम कॉर्बेट के इस उच्च स्तरीय आदर्शवादिता को एक वाकये से बखूबी समझा जा सकता है। जब जिम कॉर्बेट मोहान के खूंखार नरभक्षी शेर को मारने के लिए घने जंगल में अकेले उसका पीछा कर रहे थे, एकाएक एक गहरी संकरी खाई में जिम कॉर्बेट और नरभक्षी शेर का प्रत्यक्ष आमना- सामना हो गया। शेर, चारे के रूप में लगाए गए कटड़े को खाकर संकरी खाई में टूटे वृक्ष के तने के नीचे आराम फरमा रहा था।

नरभक्षी को खोजते हुए जिम उसके बेहद करीब पहुंच गए। नरभक्षी शेर के मुंह और जिम के बीच केवल पांच फिट का फासला था। शेर नींद में था। जिम ने नरभक्षी शेर के माथे पर दनादन दो गोलियां उतार दीं। शेर वहीं पर ढेर हो गया। जिम कॉर्बेट इस नरभक्षी को मारने के निमित्त महीनों से दिन -रात जंगलों की खाक छान रहे थे। उनका काम पूरा हो गया था। इस वाकये के वक्त वहां जिम और नरभक्षी के अलावा कोई और चश्मदीद नहीं था। शेर को मारने के बाद जिम शेर की लाश के पास ही गिरे हुए पेड़ के तने पर बैठ गए। सिगरेट सुलगाई और सोचने लगे कि उन्होंने नरभक्षी शेर को मारने का यह काम ठीक ईमानदारी से नहीं किया। जिम कॉर्बेट सोते हुए शेर को मार गिराने को नैतिक रूप से उचित ठहराने के लिए मन ही मन अनेक तर्क गढ़ने लगे। उन्होंने खुद को तसल्ली देने के लिए तर्क दिया कि शेर नरभक्षी था, जिसका जीवित रहने से मर जाना बेहतर था, इसलिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि जब उसे मारा गया वह जागा हुआ था या सोया हुआ। यदि उसे छोड़ दिया जाता तो उन सभी मानवों की संभावित मृत्यु के लिए, जिन्हें वह उसके बाद मारता, उसके लिए नैतिक रूप से वे (जिम) ही जिम्मेदार होते। जिम कॉर्बेट का मानना था कि सोये हुए शेर को मारने के लिए इन बलवान तर्कों के बावजूद यह खेद फिर भी बचा रह जाता है कि उन्होंने सोते हुए जानवर को बचाव के लिए खिलाड़ी जैसा मौका दिए बिना मार दिया। जिम कॉर्बेट का मानना था कि आदमखोर जानवर को भी बचाव का उचित अवसर मिलना चाहिए। जिम ने इस घटना पर अफसोस जताते हुए खुद इसका उल्लेख अपनी किताब 'कुमाऊं के नरभक्षी' में किया है। जिम कॉर्बेट में गजब की दानशीलता थी। कालाढूंगी का छोटी हल्द्वानी नाम का गांव जिम कॉर्बेट की दानशीलता का जीवंत प्रमाण है। जिम पूरे छोटी हल्द्वानी गांव की जमीन के मालिक थे। उन्होंने 1915 में 221 एकड़ रकबे वाला यह गांव खुद खरीदा था। जिम ने इस गांव में चालीस गरीब परिवारों को आसामी के रूप में बसाया था। उन्होंने अपने आसामियों के लिए घर बनाए, पीने और सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था की और गांव की सुरक्षा के लिए चारों ओर पत्थर की चहारदीवारी बनवाई। जिम कॉर्बेट द्वारा गांव की हिफाजत के लिए बनाई गई दीवार का कुछ हिस्सा अभी भी मौजूद है।

तब यूनाइटेड प्रोविंसेज (अविभाजित उत्तर प्रदेश) के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर सर विलियम मैल्कम हैली के साथ जिम कॉर्बेट की घनिष्ठता थी। सर हैली और जिम ने मिलकर अनेक शिकार यात्राएं की थी। जिम कॉर्बेट के सुझाव पर ही सर मैल्कम हैली ने 1934 में रामगंगा से लगे 324 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र को अभयारण्य घोषित किया था। यहां हैली नेशनल पार्क नाम से भारत का पहला राष्ट्रीय अभयारण्य बना, जो अब जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के नाम से ख्यात है।

इंस्टाग्राम से जंतर-मंतर तक, बदल गई सियासत

नीट से निकला गुस्सा, लोकतंत्र का नया चेहरा, जब जेन ज़ी ने अपनी आवाज़ बुलंद की

बृज खंडेलवाल द्वारा

28 जुलाई, 2026

नई दिल्ली का जंतर-मंतर बगावत के एक रंगीन मेले में बदल गया। जेन ज़ी के नौजवान गा रहे थे, नाच रहे थे, मीम्स बना रहे थे, ताकतवर नेताओं का मज़ाक उड़ा रहे थे और बर्गर, पिज़्ज़ा, भटूरे खाते हुए ऐसे मस्ती कर रहे थे, मानो राजनीति किसी कॉलेज फेस्ट में आ घुसी हो।

लेकिन इस हंसी-मज़ाक और शोर-शराबे के पीछे एक साफ़ और मज़बूत पैगाम था: जवाबदेही चाहिए। हिंसा भी इस आंदोलन का जोश कम नहीं कर सकी। युवाओं के नए जत्थे लगातार पहुंचते रहे। बेखौफ, पूरे हौसले के साथ। देखते ही देखते यह धरना लोकतंत्र के एक जीवंत उत्सव में बदल गया।

यह युवा आंदोलन भारत के लोकतांत्रिक सफर का एक अहम पड़ाव बन गया। शुरुआत परीक्षा व्यवस्था के खिलाफ गुस्से से हुई थी, लेकिन जल्द ही यह एक बड़े संदेश में बदल गई; देश के युवाओं की आवाज़ को अब नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

जिस जन दबाव के बाद धर्मेंद्र प्रधान को पद छोड़ना पड़ा, प्रधानमंत्री से इंस्टाग्राम पर सीधे युवाओं से संवाद की मांग उठी और नंदन नीलेकणी समेत विशेषज्ञों की टास्क फोर्स बनाने का फैसला हुआ, उसने एक बात साबित कर दी। शांतिपूर्ण, संगठित और स्पष्ट जनदबाव सरकारों को फैसले बदलने पर मजबूर कर सकता है।

इस आंदोलन ने सोशल मीडिया की असली ताकत भी दिखा दी। जो काम कभी बड़े मीडिया संस्थान तय करते थे, वह इस बार इंटरनेट ने किया। कहानी वहीं बनी, वहीं फैली और वहीं से पूरे देश तक पहुंची। पारंपरिक मीडिया को युवाओं के पीछे-पीछे चलना पड़ा।

जेन ज़ी की अपनी अलग भाषा थी; बेबाक, सहज, प्रतीकों और व्यंग्य से भरी। उसने राजनीतिक आंदोलनों के पुराने तौर-तरीकों को तोड़ दिया। यह आंदोलन किसी पार्टी का नहीं, बल्कि भरोसा खो चुके छात्रों और युवाओं का आंदोलन बन गया। पहली बार बड़ी संख्या में डिजिटल पीढ़ी ने लोकतंत्र को सड़क और स्क्रीन : दोनों पर एक साथ जिया।

सरकार ने समय रहते कुछ कदम उठाए, जिससे तनाव और नहीं बढ़ा। इस पूरे घटनाक्रम ने लोकतंत्र की एक पुरानी सच्चाई फिर याद दिला दी; शांतिपूर्ण जनआंदोलन लोकतंत्र के लिए खतरा नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत होते हैं। नीट विवाद नरेंद्र मोदी सरकार के सामने केवल एक प्रशासनिक चुनौती नहीं था। यह भरोसे का संकट बन गया। करोड़ों परिवार शिक्षा को अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की सीढ़ी मानते हैं। जब उसी व्यवस्था पर सवाल उठते हैं, तो केवल परीक्षा नहीं, पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता कटघरे में खड़ी हो जाती है। कई वर्षों तक नरेंद्र मोदी ने एक आत्मविश्वासी और सक्षम भारत की छवि गढ़ी। लेकिन नीट विवाद ने उस तस्वीर में दरार डाल दी। पेपर लीक, गड़बड़ियों और प्रशासनिक अव्यवस्था के आरोपों ने राष्ट्रीय परीक्षा की साख पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

संकट आना किसी भी सरकार के लिए असामान्य नहीं होता। असली परीक्षा संकट के समय नेतृत्व की होती है। जनता गलती से कम, उसे छिपाने या टालने से ज़्यादा नाराज़ होती है। ऐसे समय में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और तेज़ कार्रवाई ही भरोसा लौटाती है। लेकिन इस मामले में सरकारी प्रतिक्रिया अक्सर बचाव वाली ज़्यादा और समाधान वाली कम दिखाई दी। इससे लोगों का संदेह और गहरा हुआ।

संसदीय लोकतंत्र में मंत्री कई बार अपने विभाग की नैतिक ज़िम्मेदारी स्वीकार करते हुए पद छोड़ देते हैं, चाहे व्यक्तिगत गलती सिद्ध न हुई हो। ऐसे फैसले लोकतंत्र को कमज़ोर नहीं, बल्कि मज़बूत करते हैं क्योंकि वे जनता को यह भरोसा देते हैं कि सत्ता जवाबदेह है।

इस विवाद ने एक और खतरे की ओर संकेत किया। लगातार चुनावी सफलताएं कई बार सरकारों को यह भरोसा दिला देती हैं कि जनता हमेशा उनके साथ रहेगी। यहीं से आत्मविश्वास और अति-आत्मविश्वास के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है। लोकतंत्र में सवाल पूछने वालों को विरोधी नहीं, चेतावनी देने वाला समझना चाहिए।

भारतीय परंपरा भी यही संदेश देती है। सत्ता के मद में चूर इंद्र को अंततः बालक कृष्ण के सामने झुकना पड़ा। नारद मुनि का अहंकार भी टूटा। रामायण का धोबी याद दिलाता है कि शासक सबसे साधारण नागरिक की आवाज़ भी अनसुनी नहीं कर सकता। इतिहास और पुराण दोनों कहते हैं, अहंकार निर्णय क्षमता को धुंधला कर देता है, जबकि विनम्रता रास्ता दिखाती है।

आज किसी भी सरकार की आंखें और कान केवल उसके अधिकारी नहीं होते। स्वतंत्र संस्थाएं, मीडिया, विशेषज्ञ और नागरिक समाज भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। जब ये आवाज़ें अनसुनी होने लगती हैं, तब सरकारें अपने ही बनाए घेरे में कैद हो जाती हैं। फिर केवल वही सुनाई देता है, जो अच्छा लगता है। असुविधाजनक सच बहुत देर से सामने आता है।

1975 का आपातकाल भी सत्ता और जनता के बीच बढ़ती दूरी की चेतावनी था। परिस्थितियां आज अलग हैं, लेकिन लोकतंत्र का सबक वही है; सत्ता का केंद्रीकरण, आलोचना की उपेक्षा और अति-आत्मविश्वास अंततः किसी भी सरकार को भारी पड़ सकते हैं।

नीट विवाद केवल एक परीक्षा की विफलता नहीं है। यह शासन व्यवस्था के लिए चेतावनी है कि किसी भी संस्था की साख पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही से बनती है। राजनीतिक ताकत की असली नींव अजेय होने का भ्रम नहीं, बल्कि जनता का भरोसा होती है।

नरेंद्र मोदी के सामने अभी भी अवसर है। मजबूत नेतृत्व का अर्थ यह नहीं कि उससे कभी गलती न हो। मजबूत नेता वह होता है, जो गलती स्वीकार करे, दोषियों को सज़ा दे, संस्थाओं में सुधार लाए और जनता की आवाज़ सुने।

जंतर-मंतर का यह आंदोलन शायद आने वाले वर्षों में केवल नीट विवाद के लिए याद न रखा जाए। संभव है, इतिहास इसे उस पल के रूप में याद करे, जब भारत की डिजिटल पीढ़ी ने पहली बार लोकतंत्र को नई भाषा, नई ऊर्जा और नई शैली दी। सत्ता बदलती रहती है, लेकिन जनता की आवाज़ अंततः सबसे ऊंची होती है। तालियां कुछ समय तक अहंकार का साथ दे सकती हैं, पर भरोसा केवल विनम्रता, ईमानदारी और जवाबदेही से ही जीता जाता है।

(विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस/28 जुलाई/विशेष) धरती की चेतावनी सुनिए

योगेश कुमार गोयल

पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। इस वर्ष भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। दुनिया के कई ठंडे इलाके अब ग्लोबल वार्मिंग के कारण तपने लगे हैं तो कई सूखे इलाके बाढ़ से त्रस्त हैं, जंगल झुलस रहे हैं। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को जागरूक करने के लिहाज से आज के समय में प्रकृति संरक्षण दिवस की महत्ता बढ़ गई है।

साल 2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था। तब औद्योगिक इकाइयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था। गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वतः ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी।

पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्ही चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। दरअसल प्रकृति को स्वयं अपनी मरम्मत करने और खुद को सजाने-संवारने का सुअवसर मिला था लेकिन इंसानी गतिविधियां पुनः शुरू होते ही प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का वही दौर पुनः शुरू हो गया, जिसका परिणाम इस समय दुनिया के तमाम देश भुगत रहे हैं।

लॉकडाउन के दौर ने पूरी दुनिया को यह समझने का बेहतरीन अवसर दिया था कि इंसानी गतिविधियों के कारण ही प्रकृति का जिस बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता रहा है, उसी के कारण स्वर्ग से भी सुंदर हमारी धरती कराहती रही है। प्रकृति मनुष्य को ऐसा न करने के लिए बार-बार किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में चेतावनियां भी देती रही है लेकिन उन चेतावनियों को सदा दरकिनार किया जाता रहा है। प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा है कि बीते कुछ वर्षों में मौसम चक्र में बदलाव स्पष्ट दिखाई दिया है। वर्ष दर वर्ष अब जिस प्रकार मौसम के बिगड़ते मिजाज के चलते समय-समय पर तबाही देखने को मिल रही है, ऐसे में हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि मौसम चक्र के बदलाव के कारण प्रकृति संतुलन पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, उसकी अनदेखी के कितने भयावह परिणाम होंगे।

प्रकृति बार-बार मौसम चक्र में बदलाव के संकेत, चेतावनी तथा संभलने का अवसर देती रही है लेकिन हम आदतन किसी बड़े खतरे के सामने आने तक ऐसे संकेतों या चेतावनियों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जिसका नतीजा अक्सर भारी तबाही के रूप में सामने आता रहा है। पिछले तीन दशकों से पर्यावरण प्रदूषण के कारण जिस प्रकार मौसम चक्र तीव्र गति से बदल रहा है और प्राकृतिक आपदाओं का आकस्मिक सिलसिला तेज हुआ है, उसके बावजूद यदि हम नहीं संभलना चाहते तो इसमें भला प्रकृति का क्या दोष? प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय में भयानक तूफान, बाढ़, सूखा, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ वातावरण के कारण हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया करते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है।

दरअसल पर्वतीय क्षेत्रों में यातायात के साधनों से बढ़ते प्रदूषण, बड़े-बड़े उद्योग स्थापित करने और राजमार्ग बनाने के नाम पर बड़े पैमाने पर वनों के दोहन, सुरंगें बनाने के लिए बेदर्दी से पहाड़ों का सीना चीरे जाने का ही दुष्परिणाम है कि हमारे इन खूबसूरत पहाड़ों की ठंडक अब लगातार कम हो रही है। पहाड़ों में बढ़ती इसी गरमाहट के चलते हमें अकसर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें भी सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गरमाहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब वर्ष दर वर्ष बढ़ रहा है।

हालांकि प्रकृति बार-बार अपना रौद्र रूप दिखाकर स्पष्ट चेतावनी देती रही है कि यदि उसके साथ अंधाधुंध खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो उसके घातक परिणाम होंगे लेकिन विडंबना है कि लगातार प्रकृति का प्रचंड रूप देखते रहने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दुनिया अपने विनाश को आमंत्रित कर रही है। दरअसल हम समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम कंक्रीट के जो जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं है बल्कि विकास के नाम पर हम अपने ही विनाश का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। यदि हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

गांवों के समग्र विकास से ही विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प होगा साकार : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 27 जुलाई (हि.स.)। ग्राम पंचायतों को केवल योजनाओं के क्रियान्वयन की इकाई नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक समृद्धि और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के केंद्र के रूप में विकसित करना होगा। यदि ग्राम पंचायतें सशक्त हों, गांव आत्मनिर्भर बनें और प्रत्येक ग्रामीण विकास की प्रक्रिया का सहभागी बने, तभी विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प वास्तविक रूप ले सकेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज सोमवार को नवा रायपुर स्थित एसआईआरडी परिसर, निमोरा में आयोजित प्रदेश के सभी जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक एवं कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ यही है कि शासन की योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। ग्राम पंचायतें जनभागीदारी के माध्यम से आत्मनिर्भर गांव बनाने का सबसे प्रभावी मंच हैं। उन्होंने प्रत्येक जिले में ऐसे गांवों की पहचान करने के निर्देश दिए, जहां जनभागीदारी, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और प्रभावी योजना के माध्यम से आदर्श विकास मॉडल विकसित किए जा सकें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि एक जुलाई से लागू विकसित भारत जी राम जी योजना के माध्यम से रोजगार सृजन के साथ-साथ स्थायी परिसंपत्तियों और गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना का निर्माण प्राथमिकता से किया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जल संरक्षण की कार्ययोजना तैयार करने तथा वर्षा जल संचयन एवं भूजल संवर्धन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। **10.40 लाख से अधिक महिलाएं बनीं लखपति दीदी, अब लक्ष्य करोड़पति दीदी** मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब तक 10 लाख 40 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब सरकार उन्हें उद्यमिता, कौशल विकास और स्वरोजगार से जोड़कर बड़ी संख्या में करोड़पति दीदी बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र महिलाओं की पहचान कर उन्हें स्व-सहायता समूहों, कौशल विकास, आजीविका गतिविधियों और नई औद्योगिक नीति से उत्पन्न अवसरों से जोड़ा जाए।

मुख्यमंत्री साय के प्रमुख सचिव और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सुबोध सिंह का फर्जी फेसबुक एकाउंट ,पैसों की मांग

रायपुर, 27 जुलाई (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रमुख सचिव और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सुबोध सिंह के नाम पर फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाकर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस का साइबर सेल शिकायत के बाद मामले की जांच कर रहा है। ठगों ने उनके नाम और तस्वीर का दुरुपयोग करके परिचितों से पैसों की मांग शुरू कर दी थी। इस मामले की जानकारी सामने आते ही पुलिस में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई गई है और साइबर सेल मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि शातिर ठग ने सोमवार को ही आईएएस सुबोध सिंह के नाम से फेसबुक पर फर्जी प्रोफाइल बनाई और महज 2 घंटे के भीतर ही 58 लोगों को फ्रेंड बना लिया। फ्रेंड लिस्ट में शामिल करने के बाद ठग ने उनके परिचितों को मैसेंजर पर मैसेज भेजकर पैसों की मांग करना शुरू कर दिया। मामले की जानकारी मिलते ही आईएएस सुबोध सिंह ने तुरंत पुलिस को शिकायत दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि फर्जी फेसबुक अकाउंट किसने बनाया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। साथ ही पुलिस और साइबर विशेषज्ञ समय-समय पर लोगों से अपील करते रहे हैं कि सोशल मीडिया पर किसी भी व्यक्ति के नाम से पैसे मांगने वाले संदेश मिलने पर पहले उसकी पुष्टि करें। बिना सत्यापन के किसी भी खाते में पैसे ट्रांसफर न करें।

राष्ट्रपति मुर्मु 30 जुलाई को करेंगी बस्तर पंडुम-2026 के विजेताओं का सम्मान

जगदलपुर, 27 जुलाई (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 30 जुलाई को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परंपरागत जनजातीय नेतृत्व व्यवस्था के प्रतिनिधियों, पद्मश्री सम्मानित विभूतियों और जनप्रतिनिधियों का सम्मान करेंगी। छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परंपरागत जनजातीय नेतृत्व व्यवस्था के प्रतिनिधियों, पद्मश्री सम्मानित विभूतियों और जनप्रतिनिधियों का 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट करेगा। राष्ट्रपति भवन तक पहुंचने जा रही बस्तर की यह गौरवगाथा न केवल प्रदेश की सांस्कृतिक शक्ति और जनजातीय गौरव का प्रतीक है, बल्कि भारत की समृद्ध जनजातीय विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर भी है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति मुर्मु ने बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परगना मांझी, मांझी, चालकी तथा पद्मश्री सम्मानित विभूतियों के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन भी किया है। प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति भवन का भ्रमण करेगा और नई दिल्ली के प्रमुख राष्ट्रीय स्थलों का अवलोकन भी करेगा। यह अवसर बस्तर की जनजातीय संस्कृति, परंपरागत नेतृत्व व्यवस्था और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को देश के सर्वोच्च संवैधानिक मंच पर मिल रहे सम्मान का ऐतिहासिक प्रतीक होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ उसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने

के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राष्ट्रपति भवन में बस्तर के कलाकारों और परंपरागत जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह सम्मान बस्तर की संस्कृति, परंपरा और जनजातीय समाज के प्रति पूरे देश के सम्मान का प्रतीक है। संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि बस्तर पंडुम-2026 ने यह सिद्ध कर दिया है कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति और लोकपरंपराएं राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक स्तर पर भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाने की क्षमता रखती हैं। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव जनजातीय ज्ञान परंपरा, लोकजीवन, पारंपरिक नेतृत्व व्यवस्था और सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण का सशक्त अभियान बन चुका है। राष्ट्रपति भवन में बस्तर पंडुम के विजेता प्रतिभागियों एवं जनजातीय प्रतिनिधियों का सम्मान पूरे छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक स्वाभिमान का सम्मान है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में पहली बार आयोजित बस्तर पंडुम ने विश्व के सबसे बड़े जनजातीय सांस्कृतिक महोत्सव के रूप में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ को वैश्विक पहचान दिलाई थी। इस उपलब्धि के बाद वर्ष 2026 में महोत्सव का दायरा और अधिक व्यापक किया गया। पहले जहां सात विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित होती थीं, वहीं इस वर्ष इन्हें बढ़ाकर 12 विधाओं तक विस्तारित किया गया। बस्तर संभाग के सात जिलों के 32 विकासखंडों से 54 हजार 750 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लेकर अपनी लोककला, परंपरा और सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 10 जनवरी से 9 फरवरी 2026 तक आयोजित महोत्सव में जनपद, जिला एवं संभाग स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जनजातीय नृत्य, लोकगीत, नाट्य, वाद्ययंत्र, वेशभूषा, आभूषण, शिल्प, चित्रकला, पारंपरिक पेय, पारंपरिक व्यंजन, आंचलिक साहित्य तथा वन-औषधि सहित 12 विधाओं के माध्यम से बस्तर की सांस्कृतिक विविधता का भव्य प्रदर्शन किया गया। जगदलपुर में आयोजित संभाग स्तरीय समारोह का उद्घाटन राष्ट्रपति ने किया था जबकि समापन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति ने आयोजन को राष्ट्रीय महत्व प्रदान किया। महोत्सव में जनजातीय शिल्प, हस्तशिल्प, वन-औषधियों, पारंपरिक आभूषणों और लोक व्यंजनों की प्रदर्शनी ने बड़ी संख्या में आगंतुकों को आकर्षित किया। इससे स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों, स्व-सहायता समूहों एवं ग्रामीण उद्यमियों को आर्थिक अवसर भी प्राप्त हुए। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और मध्यप्रदेश के कलाकारों की सहभागिता ने बस्तर पंडुम को राष्ट्रीय सांस्कृतिक संगम का स्वरूप प्रदान किया।

उत्तर मध्य रेलवे दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में निभा रहा अग्रणी भूमिका

लगभग 400 दिव्यांगजनों को कॉन्ट्रैक्ट पर नौकरी दी गई है; 100 लोग 'एक्ट अप्रेंटिस' के तौर पर स्किल ट्रेनिंग ले रहे हैं

उत्तर मध्य रेलवे की ओर से 'सुगम्य भारत' और 'सबका साथ, सबका विकास' के विज़न को साकार करने की दिशा में एक नई पहल

आगरा (निज संवाददाता)। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'सुगम्य भारत अभियान' के विज़न और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को ध्यान में रखते हुए, उत्तर मध्य रेलवे ने दिव्यांगजनों (क्क2ष्ठद्ब) के सशक्तिकरण और समावेशी रोज़गार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री एन. पी. सिंह ने साल की शुरुआत से ही प्रयास शुरू कर दिए थे और तीनों डिवीज़न को निर्देश दिए थे कि जहाँ भी संभव हो, दिव्यांगजनों को रोज़गार दिया जाए। इसी क्रम में, उत्तर मध्य रेल ने विभिन्न कॉन्ट्रैक्ट-आधारित व्यवस्थाओं के ज़रिए 380 से ज़्यादा दिव्यांगजनों (PwBDs) को रोज़गार दिया है। यह पहल 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD Act), 2016' की सच्ची भावना के अनुरूप समान अवसर, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उत्तर मध्य रेल द्वारा विभिन्न कॉन्ट्रैक्ट-आधारित कर्मचारियों को काम पर रखा गया है, जिनमें से लगभग 400 दिव्यांगजन हैं जो अलग-अलग भूमिकाओं में काम कर रहे हैं। इनमें ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन (ञ्जङ्करू) ऑपरेटर, स्टेशन उद्घोषक (अनाउंसर), डेटा एंट्री ऑपरेटर, 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' (ह्रस्ह्रक्क) स्टॉल ऑपरेटर और ग्राहक सेवा व ऑपरेशन से जुड़े कई अन्य काम शामिल हैं।

खास बात यह है कि नॉर्थ सेंट्रल रेलवे ने अपने प्रयासों को सिर्फ़ रोज़गार के अवसर देने तक ही सीमित नहीं रखा है। लंबे समय के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, 'एक्ट अप्रेंटिसशिप स्कीम' के तहत 100 दिव्यांग युवाओं को स्किल ट्रेनिंग दी जा रही है, जिससे उनकी रोज़गार पाने की क्षमता और भविष्य के करियर की संभावनाएँ बेहतर हो रही हैं।

यह पहल नॉर्थ सेंट्रल रेलवे के तीनों डिवीज़न–प्रयागराज, झाँसी और आगरा–के साथ-साथ विभिन्न वर्कशॉप और प्रोडक्शन यूनिट में भी लागू है। कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कुल दिव्यांग कर्मचारियों में से 200 प्रयागराज डिवीज़न में, 100 झाँसी डिवीज़न में और 63 आगरा डिवीज़न में काम कर रहे हैं। झांसी में मौजूद अलग-अलग वर्कशॉप और प्रोडक्शन यूनिट में भी नए मौके बनाए गए हैं।

सबको साथ लेकर चलने (इनक्लूज़न) के प्रति नॉर्थ सेंट्रल

रेलवे की प्रतिबद्धता उसके रेगुलर वर्कफोर्स में भी दिखती है। अभी, ह्रष्टक्रके परमानेंट कैडर में दिव्यांगता वाले 784 कर्मचारी काम कर रहे हैं, जिनमें 2025-26 के दौरान भर्ती किए गए 15 कर्मचारी भी शामिल हैं। यह एक ऐसा वर्कप्लेस बनाने के प्रति संगठन की लगातार प्रतिबद्धता को दिखाता है जो सबको साथ लेकर चले और खास क्षमताओं वाले लोगों के अनुकूल हो।

नॉर्थ सेंट्रल रेलवे दिव्यांग लोगों के लिए रोज़गार, स्किल डेवलपमेंट और समान अवसर के नए रास्ते बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में खास पहल करता रहेगा।

मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की 'एक जनपद एक व्यंजन' योजना आगरा में शुरू,

पेठा-नमकीन-गजक के कारोबार को मिलेगा 50 लाख तक का अनुदान

ODOC योजनाः आगरा के युवाओं के लिए सुनहरा मौका, पेठा-पराठा-गजक का व्यवसाय शुरू करने पर मिलेगी वित्तीय सहायता

आगरा की पहचान बनेगी उद्यमः 'एक जनपद एक व्यंजन' योजना के तहत स्वरोजगार को बढ़ावा

आगरा (निज संवाददाता)। उपायुक्त उद्योग श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी श्री योगी आदित्यनाथ जी की महत्वाकांक्षी योजना 'एक जनपद एक व्यंजन' (ODOC) दिनांक 05.06.2026 से प्रारम्भ की गई है। योजना के अन्तर्गत आगरा के चिन्हित व्यंजनों यथा पेठा, नमकीन/दालमोठ, गजक एवं आगरा का पराठा* का व्यवसाय स्थापित करने वाले युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 में सूक्ष्म इकाईयां स्थापित किये जाने हेतु वित्त पोषण योजना 'एक जनपद एक व्यंजन (ODOC)' प्रारम्भ की गई है।

योजना का उद्देश्यः आगरा की प्रसिद्ध खाद्य संस्कृति को बढ़ावा देते हुए स्थानीय युवाओं को उद्यमी बनाकर रोजगार के नए अवसर सृजित करना।

पात्रता की शर्तेंः- - उक्त योजना के अन्तर्गत 10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक अनुदान दिया जायेगा जो अधिकतम 50 लाख रुपये तक होगा।

- आवेदक की आयु कम से कम 18 वर्ष की होनी चाहिए।

- योजनान्तर्गत उद्योग/सेवा एवं व्यवसाय क्षेत्र में वित्तीय पोषण में सहायता की सुविधा चिन्हित 'एक जनपद एक व्यंजन (ODOC)' उत्पाद की इकाईयों को प्राप्त होगी।

- परिवार के किसी भी सदस्य को केवल एक बार ही लाभान्वित किया जायेगा।

- आवेदक द्वारा भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित किसी अन्य स्वरोजगार योजना का पूर्व में लाभ प्राप्त न किया गया हो।

- लाभार्थी द्वारा निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र, शपथ पत्र, परियोजना प्रपत्र एवं आवश्यक अभिलेखों सहित विभागीय पोर्टल https://msme.up.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा।

आवेदन कहाँ करेंः अधिक जानकारी हेतु जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, नुनिहाई, आगरा में सम्पर्क करें।

गौवंशो के सम्मान संरक्षण एव सुरक्षा के लिए देशव्यापी अभियानः 797 जिलों में दिया ज्ञापन; राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर को दिया ज्ञापन

धौलपुर। गौ सम्मान आह्वान अभियान के द्वितीय चरण में आज 27 जुलाई 2026 भार्गव वाटिका गणेश मंदिर से संत समाज गौ-भक्तों एवं विभिन्न सामाजिक धार्मिक संगठनों के नेतृत्व में संकीर्तन रैली एवं सामूहिक मंत्र जाप करते हुए पदयात्रा के माध्यम से अतिरिक्त जिला कलेक्टर धौलपुर को प्रार्थना पत्र दिया गया । सर्प्रथम महंत हनुमान दास जी द्वारा हस्ताक्षर प्रतिलिपियों का पूजन कर विजय महामंत्र श्री राम जय राम जय जय राम का जाप करते हुए गणेश मंदिर से जिला कलेक्टर के लिए रवाना हुए । संभाग प्रभारी राम शर्मा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य गौमाता के सम्मान संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जनजागरण करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकारों तक जनभावनाओं को पहुंचाना है। इस अवसर पर 297622 नागरिकों के हस्ताक्षरों से युक्त ज्ञापन डिजिटल पेन ड्राइव में अतिरिक्त जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति प्रधानमंत्री राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम प्रेषित किया गया अभियान में संत-महात्मा किसान युवा मातृशक्ति एवं गौ-सेवा से जुड़े कार्यकर्ता बड़ी संख्या में सहभागिता रही अभियान की प्रमुख मांगों में गौमाता को राष्ट्रमाता अथवा राष्ट्र आराध्या

का दर्जा प्रदान करना देशभर में गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध हेतु प्रभावी केंद्रीय कानून बनाना केंद्रीय गोसेवा मंत्रालय का गठन गोचर भूमि एवं चारा संरक्षण नीति को मजबूत करना तथा गौ-आधारित प्राकृतिक कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना शामिल हैं। ज्ञापन देने में धौलपुर जिला प्रभारी चंद्रप्रताप धाकरे ममता शर्मा राजाखेड़ा प्रभारी योगेंद्र बाड़ी प्रभारी अजय कंषाना विशम्भर शर्मा विहिप जिला सह मंत्री मनोज सोनी जिला सयोंजक नरेश कुमार प्रखण्ड मंत्री अशोक कुलश्रेष्ठ जिला गौरक्षा प्रमुख दीपक पचौरी सह गौरक्षा प्रमुख रविन्द्र अमन शिवम प्रजापति नितेश गुप्ता पंकज निखिल करन नीरज त्यागी विकास विजेन्द्र नवल रामनरेश शुभम आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहें ।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान ने बदली युवाओं की तकदीर, आगरा के दो युवाओं ने स्वरोजगार से लिखी सफलता की नई इबारत

सरकारी सहायता, बैंक ऋण एवं अनुदान से स्थापित किए सफल उद्यम, अन्य युवाओं के लिए बने प्रेरणास्रोत।

आगरा (निज संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में प्रभावी सिद्ध हो रही है। जनपद आगरा में योजना के माध्यम से अनेक युवाओं ने अपना स्वयं का उद्यम स्थापित कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। इसी क्रम में दो युवा उद्यमियों की सफलता की कहानी अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा बनकर सामने आई है। कमला नगर निवासी रोहित कुमार ने बताया कि बेरोजगारी के दौरान

स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए उन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता थी।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की जानकारी मिलने पर उन्होंने जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, आगरा से संपर्क किया। योजना के अंतर्गत उन्हें बैंक से ?5 लाख का ऋण प्राप्त हुआ तथा सरकार द्वारा ?50 हजार का अनुदान भी मिला। वर्तमान में वे अपने उद्यम का सफल संचालन कर रहे हैं।

उनके उत्पादों की बिक्री मेलों एवं विदेशी पर्यटकों के बीच भी हो रही है तथा उन्होंने चार लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया है। इसी प्रकार शाहगंज निवासी फैजान ने भी योजना का लाभ लेकर अपना उद्योग स्थापित किया। बैंक से रू .5 लाख का ऋण एवं ?50 हजार का अनुदान प्राप्त होने के बाद उन्होंने अपने उद्यम को सफलतापूर्वक संचालित किया। आज उनका व्यवसाय निरंतर प्रगति कर रहा है और उन्होंने भी चार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है। दोनों युवा उद्यमियों ने मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने जिला उद्योग केन्द्र एवं संबंधित अधिकारियों के सहयोग की सराहना करते हुए युवाओं से अपील की कि वे भी इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उठाकर स्वरोजगार अपनाएं और अपने भविष्य को सशक्त बनाएं। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, आगरा ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यह योजना प्रदेश के युवाओं को रोजगार सृजक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

धौलपुर-बाड़ी में कारगिल विजय दिवस पर भव्य रैली पुष्प वर्षा से सैनिक सम्मान पूर्व सैनिकों व वीरांगनाओं का अभिनंदन हुआ

धौलपुर (निज संवाददाता)। सर्वप्रथम अस्पताल चौराहे से मेन बाजार होते हुए कारगिल विजय दिवस पर शहीदों के सम्मान में भव्य और दिव्य रैली का आयोजन किया गया जिसमें बाड़ी के व्यापारी वर्ग ने रैली पर पुष्प वर्षा कर सैनिकों को सम्मान दिया पूरा बाजार राष्ट्रीय गानों के साथ ओतप्रोत था। पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर रैली का आयोजन किया गया रैली में शामिल सभी को पूर्व विधायक गिरिराज सिंह मलिंगा के कार्यालय पर जलपान ग्रहण कराया गया कारगिल विजय दिवस पर नेवी पब्लिक स्कूल बाड़ी में अखिल भारतीय पुरुष सैनिक सेवा परिषद टीम बाड़ी द्वारा सभी पूर्व सैनिकों और अतिथियों का तिलक माला और पटका पहना कर भव्य दिव्य स्वागत किया गया बीएसएफ के डीआईजी विशन स्वरुप शर्मा जी ने सेना के 1971 और कारगिल युद्ध के वीर सपूतों को माला पहनकर स्वागत किया। कार्यक्रम के आरंभ में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद राजस्थान के सह संगठन मंत्री प्रणव मुखर्जी ने कारगिल विजय दिवस की महत्ता बताई कार्यक्रम के अंत में अखिल भारतीय पुरुष सैनिक सेवा परिषद धौलपुर टीम द्वारा अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा

परिषद बाड़ी के सभी पूर्व सैनिकों को माला और पटका पहनाकर स्वागत किया और आभार व्यक्त किया इस मौके पर कैप्टन राजेश सिंह परमार सूबेदार मेजर मुकेश चंद शर्मा और सूबेदार श्याम किशोर साहब ने वीर नारी और वीरांगनाओं और उनके परिजनों का भी शॉल और माला पहनाकर स्मृति चिन्ह से सम्मान दिया गया कारगिल विजय दिवस पर मुख्य अतिथि अजय सिंह मलिंगा सीआरपीएफ डीआईजी विशन स्वरुप शर्मा भारत विकास परिषद के क्षेत्रिय संयुक्त सचिव डॉक्टर शिवदयाल मंगल जिला समन्वयक जयंत मोदी अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जयपुर प्रांत के महासचिव जेडब्ल्यूओ डाल सिंह शेखावत कारगिल युद्ध के हीरो रामावतार फौजी कैप्टन अशोक सिंह परमार सूबेदार मेजर रमेश सिंह परमार सूबेदार जगदीश जगरिया पवन चंदोलिया ब्राह्मण समाज अध्यक्ष गोपेश पचौरी राष्ट्रीय कवि रामबाबू सिकरवार जगदीश रावत कैप्टन बनवारी सिंह परमार मंचासीन अतिथि रहे इन सभी अतिथियों ने सर्वप्रथम भारत माता व सुभाष चंद्र बोस और सरस्वती माता के चित्र पर फूल और माला चढ़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया सभी अतिथि सम्मान के बाद वंदे मातरम् गीत नेवी पब्लिक स्कूल के बच्चियों के द्वारा प्रस्तुत किया गया जयपुर प्रांत से पधारे डाल सिंह शेखावत ने कारगिल युद्ध के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही मीणा समाज के अध्यक्ष ने भी सभी पूर्व सैनिकों के बारे में जानकारी दी डॉक्टर शिवदयाल मंगल ने कहा कि सैनिकों का सम्मान हमें करना चाहिए गोपेश पचौरी ने कहा मैं भी सैनिक परिवार से हूं और मेरा बेटा भी लेफ्टिनेंट कर्नल है आज मुझे आपने बुलाया इस बात की बहुत खुशी है मेरी तरफ से आपको बहुत-बहुत धन्यवाद सेवानिवृत्त डीआईजी सीआरपीएफ विशनस्वरूप शर्मा ने भी सभी को किस तरीके से एक सैनिक नौकरी करता है और अपने नौकरी के समय क्या-क्या परेशानी आती है के बारे में सबको बताया राष्ट्रीय कवि रामबाबू सिंह सिकरवार ने एक सैनिक की पत्नी युद्ध के बारे में अपने पति से अपने पति से क्या-क्या कहती है इस कविता ने सभी पूर्व सैनिकों की आंखों में आंसू आ गए। धौलपुर शाखा के अध्यक्ष सूबेदार मेजर रमेश सिंह परमार साहब और बाड़ी शाखा के अध्यक्ष कैप्टन बनवारी सिंह परमार ने सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया साथ ही सभी को कार्यक्रम समाप्त के बाद भोजन ग्रहण करने का आग्रह किया गया अंत में राष्ट्रीय गान से कार्यक्रम समाप्त हुआ नेवी पब्लिक स्कूल के संस्थापक दारा सिंह पचोरी ने इस कार्यक्रम सफल बनाने के लिए दिन रात मेहनत की बाड़ी और धौलपुर शाखा के सभी पूर्व सैनिकों का बहुत-बहुत धन्यवाद

धौलपुर कारगिल विजय दिवस पर भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन देशभक्ति और शौर्य से गूंजा गंगाबाई बगीची परिसर

धौलपुर (निज संवाददाता)। हनुमान सेवा समिति के तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में गंगाबाई बगीची परिसर में एक भव्य एवं विशाल अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी राष्ट्रीय पर्व पर आयोजित काव्य समर में देश के ख्यातिलब्ध कवियों ने अपनी रचनाओं से समां बांध दिया जिससे पूरा परिसर देशभक्ति के रंग में सराबोर हो उठा।दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ शंखनादकार्यक्रम की जानकारी देते हुए समिति संचालक दीपक शर्मा ने बताया कि समारोह का शुभारंभ बेहद गरिमामयी माहौल में हुआ। सर्वप्रथम अतिथियों एवं समिति के पदाधिकारियों द्वारा मां सरस्वती एवं संकटमोचक हनुमान जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। इसके पश्चात मां शारदे की सुमधुर सरस्वती वंदना के साथ काव्य गोष्ठी का विधिवत शंखनाद हुआ।रक्षकों और रचनाकारों का हुआ सम्मानसमिति ने इस मंच से न केवल साहित्यकारों का मान बढ़ाया बल्कि समाज के सजग प्रहरियों को भी नमन किया कार्यक्रम के दौरान देश के कोने-कोने से आए सभी आमंत्रित कवियों का समिति की ओर से भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया। इसी कड़ी में समाज की सुरक्षा में तत्पर रहने वाले पुलिसकर्मियों का भी विशेष सम्मान किया गया जिसे उपस्थित जनसमुदाय ने तालियों की गड़गड़ाहट से सराहा।काव्य मंच पर बिखरे विविध रंगः इन कवियों ने लूटी महफिलकवि सम्मेलन में साहित्य

की विभिन्न विधाओं का अनूठा संगम देखने को मिला। मंच पर आमंत्रित कवियों ने अपनी श्रेष्ठ रचनाओं की प्रस्तुति दीःश्री पदम गौतम (राष्ट्रीय ओज कवि): अपनी बुलंद आवाज में राष्ट्रभक्ति की ऐसी हुंकार भरी कि श्रोताओं की नस-नस में देशभक्ति का ज्वार उठ गया।श्री मनोज 'मनुज' (वरिष्ठ गीतकार): अपने गहन और संजीदा गीतों से श्रोताओं के दिलों को छू लिया।श्री बाबूलाल सागर' (गीतकार): जीवन के विविध रंगों को समेटे हुए बेहतरीन गीतों की प्रस्तुति दी श्रीमती पूर्णिमा शर्मा (श्रृंगार रस): अपनी मखमली आवाज में श्रृंगार रस की अनुपम छटा बिखेरी।डॉ. प्रकाश तिवारी (ओज कवि): कारगिल के शहीदों को नमन करते हुए वीर रस की ओजस्वी कविताओं से राष्ट्रचेतना का संचार किया।श्री राहुल राज़ (शायर): अपनी बेहतरीन शायरी और गज़लों से महफिल में वाह-वाही लूटी।श्री पवन अनुराग' (पैरोडीकार): समसामयिक विषयों पर करारे व्यंग्य और पैरोडी सुनाकर श्रोताओं को हंसने पर मजबूर कर दिया।श्री राम पटसारिया (वीर रस): शौर्य और पराक्रम की गाथाओं से पांडाल में मौजूद युवाओं में नया जोश भर दिया।श्रीमती नन्दनी शर्मा (अध्यात्म): अपनी आध्यात्मिक और भक्तिमयी रचनाओं से माहौल को पूरी तरह पवित्र और सात्विक बना दिया।श्री हरेन्द्र 'हर्ष' (श्रृंगार रस): प्रेम और सौंदर्य के अनूठे गीतों से काव्य प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।देर रात तक चले इस कवि सम्मेलन में श्रोता अपनी जगहों पर डटे रहे और हर अच्छे शेर व कविता पर तालियों और 'भारत माता की जय' के उद्घोष से कवियों का उत्साहवर्धन करते रहे। अंत में समिति संचालक दीपक शर्मा ने सभी आगंतुकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

उत्तर मध्य रेलवे में वृहद वृक्षारोपण अभियान संपन्नः 'जो वृक्ष लगाता है, वह आशा का बीजारोपण करता है' थीम पर रोपे गए लाखों पौधे

आगरा (निज संवाददाता)। महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे श्री नरेश पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में दिनांक 26 जुलाई 2026 को उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मंडलों–आगरा, झांसी और प्रयागराज–में 'जो वृक्ष लगाता है, वह आशा का बीजारोपण करता है' (॥द्द 2द्धश श्चद्यड्ढठ्ठह्य ह्लह्मद्गद्गह्य, श्चद्यड्ढठ्ठह्य द्धश्रश्चद्ग) थीम के अंतर्गत एक व्यापक 'मेगा स्पेशल वृक्षारोपण अभियान' का आयोजन किया गया। इस विशेष ड्राइव के दौरान तीनों मंडलों में रेल परिसरों, स्टेशनों और यार्डों में बड़े पैमाने पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया।

आगरा मंडल में लगभग 100 विभिन्न स्थानों पर 1 लाख पौधे लगाए गए। इनमें छायादार, फलदार और विभिन्न प्रजातियों के आकर्षक फूल

वाले पौधे शामिल रहे। क्षेत्रवार वितरण के तहत मथुरा-अलवर-पलवल क्षेत्र में लगभग 33,000, धौलपुर क्षेत्र में 21,000, लाइन आगरा क्षेत्र में 16,000, आगरा क्षेत्र मंआ 15,000 और ईदगाह क्षेत्र में 15,000 पौधे रोपे गए। यह अभियान आगरा कैंट, मथुरा जंक्शन, ईदगाह, कुबेरपुर, धौलपुर, मनिया, भांडई, ऊदी मोड़ और चिकसाना सहित विभिन्न रेलवे परिसरों में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

झांसी मंडल ने इस ड्राइव के दौरान अभूतपूर्व उत्साह दिखाते हुए लगभग 2 लाख पौधों का रोपण किया। इसमें झाँसी में 57,735 पौधे, ग्वालियर में 55,100 पौधे तथा महोबा व बांदा क्षेत्र में 34,970 पौधे शामिल रहे। इसके अतिरिक्त झाँसी मंडल के कानपुर क्षेत्र में 27,592 और ललितपुर क्षेत्र में 26,965 पौधों का रोपण दर्ज किया गया। वहीं प्रयागराज मंडल ने मुख्यालय द्वारा दिए गए 1.50 लाख के लक्ष्य को पार करते हुए एक ही दिन में 1.62 लाख पौधे रोपे, जिसके साथ ही मंडल द्वारा अब तक किया गया कुल पौधारोपण 6.56 लाख के आंकड़े तक पहुंच गया है।

इस मेगा ड्राइव में रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ स्काउट एंड गाइड के स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जैव विविधता को बढ़ावा देना और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना है। सभी प्रतिभागियों ने लगाए गए पौधों के नियमित संरक्षण और देखभाल का भी दृढ़ संकल्प लिया, ताकि भविष्य के लिए स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण किया जा सके।

परीक्षा समिति परिषद की बैठक में 92वें दीक्षांत समारोह के आंकड़ों पर लगी मुहरः 79,832 विद्यार्थियों को मिलेंगी उपाधियां

आगरा (निज संवाददाता)। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति परिषद की बैठक में सोमवार को 92वें दीक्षांत समारोह से संबंधित प्रस्तावों और आंकड़ों पर चर्चा की गई। बैठक में समिति के सभी सदस्यों के समक्ष दीक्षांत समारोह से जुड़े विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत किए गए, जिनका परीक्षण करने के बाद परिषद ने उन्हें स्वीकृति प्रदान की।

बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, तीन अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले 92वें दीक्षांत समारोह में 79,832 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इनमें संबद्ध महाविद्यालयों के 78,465 तथा आवासीय परिसर के 1,197 विद्यार्थी शामिल हैं। इसके अलावा 167 पीएचडी और तीन डी.लिट. सहित कुल 170 शोध उपाधियां भी प्रदान की

जाएंगी। विश्वविद्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, 64 छात्र/छात्राओं को 88 स्वर्ण पदकों से अलंकृत किया जाएगा, जिसमें 46 छात्राओं को 63 और 18 छात्रों को 25 पदक से सम्मानित किया जाएगा। स्नातक स्तर पर 25, स्नातकोत्तर स्तर पर 45 तथा प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में 18 पदक प्रदान किए जाएंगे। इन 88 पदकों में कुल 76 स्वर्ण और 12 रजत पदक हैं। शोध उपाधियों में 167 पीएचडी और तीन डी.लिट. शामिल हैं। पीएचडी उपाधि प्राप्त करने वालों में 86 पुरुष और 81 महिला शोधार्थी हैं, जबकि डी.लिट. उपाधि एक पुरुष और दो महिला शोधार्थियों को दी जाएगी। सरकारी, सहायता प्राप्त एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के 78,465 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इनमें 55,339 स्नातक, 8,787 स्नातकोत्तर तथा 14,339 प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी शामिल हैं। कुल उपाधि प्राप्त करने वालों में 39,879 छात्राएं और 38,586 छात्र हैं। वहीं विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर (रेजिडेंशियल विंग) के 1,197 विद्यार्थियों को भी उपाधियां दी जाएंगी। इनमें 347 स्नातक, 363 स्नातकोत्तर और 487 प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी शामिल हैं। दीक्षांत समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के साथ विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए भी उपाधियां प्रदान की जाएंगी।

बैठक में माननीय कुलपति जी, परीक्षा नियंत्रक डॉ ओम प्रकाश, वित्त अधिकारी श्री सुदर्शन, प्रो मनु प्रताप सिंह, प्रो ब्रजेश रावत, प्रो रणवीर सिंह, प्रो आर.के. अग्निहोत्री, प्रो पवन कुमार, प्रो पुष्पेंद्र सिंह, प्रो संजय कुमार मिश्रा उपस्थित रहे।

थाना बैराड पुलिस द्वारा ज्वेलर्स की दुकान में गैस कटर से ताला काटकर चोरी का प्रयास करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया एवं चोरी की घटना में प्रयुक्त नैक्सोन कार एवं एक 315 बोर का कट्टा मय राऊंडों के जप्त किया

दिनांक 22.07.26 को फरियादी जगदीश प्रसाद गुप्ता निवासी बैराड ने रिपोर्ट किया कि मेरी सुनार गली के सामने मैंन रोड पर प्रिंस ज्वेलर्स के नाम से सोने चांदी की दुकान है, दिनांक 21.07.2026 को शाम को दुकान बंद करके आ गया दिनांक 22.07.2026 के रात्रि करीव 01.20 बजे मुझे बैराड पुलिस ने फोन लगाकर बताया कि आपकी दुकान के बाहर आग लग गई है किसी अज्ञात चोर द्वारा गैस कटर से दुकान का ताला काट कर चोरी करने का प्रयास किया गया है। सीसीटीव्ही कैमरो के फुटेज देखने पर तीन अज्ञात बदमशों द्वारा मेरी दुकान का गैस कटर से ताला काट कर चोरी करने का प्रयास करते दिखाई दे रहे है। उक्त रिपोर्ट पर थाना बैराड में अपराध क्रमांक 285/26 धारा 303(2),62 बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया जी के द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लिया गया एवं तत्काल थाना बैराड पुलिस को शीघ्रातिशीघ्र घटना को ट्रेस करने हेतु निर्देशित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी आर. डी. प्रजापति व एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन मे पुलिस टीम गठित की गई। मुखबिर एवं तकनीकी साक्ष्य की मदद से पता चला कि रिंकू कुशवाह निवासी जौरा एवं राकेश कुशवाह निवासी बैराड हाल निवासी जौरा के द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया गया था।

मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि रिंकू कुशवाह अपनी नेक्सोन कार से साथियों के साथ जौरा से पहाडगढ जिला मुरैना की तरफ आने वाला है सूचना के आधार पर पुलिस पार्टी भेजी गई तभी सहसराम पहाडगढ रोड पर सामने से एक सफेद रंग की टाटा नेक्सोन कार आती दिखाई दी जिसे रोकने का प्रयास किया तो चालक ने पुलिस को दूर से देखकर गाडी को वापस मोडने का प्रयास किया इतने में पुलिस पार्टी ने घेराबंदी कर गाडी में बैठे दो व्यक्तियों को पकडा एवं नाम पता पूछे तो गाडी चलाने वाले व्यक्ति ने अपना नाम सौरभ पुत्र निरंजन कुशवाह उम्र 20 साल निवासी भूराडाढा जिला मुरैना एवं दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम आकाश पुत्र रघुवीर रावत उम्र 28 साल निवासी भूपतपुरा जौरा का होना बताया बाद सौरभ की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक 315 बोर का देशी कट्टा व तीन जिन्दा राऊंड मिले। सौरभ कुशवाह से जब पूछताछ की तो उसने बताया कि रिंकू उर्फ योगेश कुशवाह निवासी जौरा हाल निवासी बामौर का मेरा जीजा लगता है उसके साथ में अपने साथी राकेश कुशवाह, देवेन्द्र उर्फ देवू उर्फ चुटिया सविता निवासी जौरा, आकाश रावत निवासी जौरा के साथ अच्छा पैसा कमाने के लिये बडी चोरी करने की योजना बनाई थी राकेश ने कहा कि मैं बैराड का रहने वाला हूं वहां पर अच्छे सोने चांदी की दुकान है जहां माल बहुत मिलेगा। रिंकू काले बैग में गैस कटर लेकर आया था मेरे व देवू के पास कट्टा था हम लोग रिंकू कुशवाह की टाटा नेक्सोन गाडी क्रमांक ख्क्र07⁄छ्व 4821 से दिनांक 21.07.26 को सुबह रवाना होकर शिवपुरी गये थे वहां पर हम लोगों ने खाना खाया व शराब पी आकाश को ज्यादा नशा हो गया था तो वह गाडी में सो गया था मैं गाडी चलाकर रात में बैराड मैन रोड पर आया वहां से रिंकू, राकेश व देवू सविता बैग लेकर चोरी करने चले गये और मैं गाडी लेकर वापस बरोद रोड पर आ गया था करीबन आधा घण्टा के बाद तीनों दौड कर आये एवं कहा कि पुलिस आ गई चोरी नही कर पाये है तब हम सब लोग गाडी से शिवपुरी पहुचें शिवपुरी से भितरवार होते हुए बामौर घर पर आ गये। मैं व रिंकू धौलपुर, भिण्ड, आगरा में चोरी के केस में जेल में बंद रहे है। रिंकू कई बार चोरी के केसो में बामौर, जौरा, धौलपुर, आगरा, गौहद भिण्ड में बंद हो चुका है। रिंकू ही हमारा बोस है। जप्त मालः- टाटा नेक्सोन कार, एक 315 बोर का देशी कट्टा व 03 जिन्दा राउण्ड। सराहनीय कार्यवाही : - निरी सुरेश शर्मा, सउनि हरिओम पाण्डेय, प्रआर. इकबाल अहमद, आर. अतर सिंह रावत, आर. ज्ञान सिंह रावत, आर. रविन्द्र धाकड, आर. संदीप राठौर, आर. वीरेन्द्र धाकड, आर. राजेन्द्र प्रसाद, चालक आर. मनीष परिहार, आर. अजय नीखरा की विशेष भूमिका रही।

शिवपुरी में दूध और दूध से बने उत्पादों की जांच जारी, 7 प्रतिष्ठानों से लिए नमूने

खाद्य एवं औषधि विभाग ने शिवपुरी, कोलारस, पोहरी और बदरवास में की कार्यवाही

शिवपुरी, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत दूध और दूध से बने उत्पादों की गुणवत्ता जांचने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जिले में लगातार निरीक्षण और नमूना लेने की कार्यवाही की जा रही है। नमूनों को राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जाएगा और जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन के उपसंचालक ने बताया कि पिछले सप्ताह जिले के 7 प्रतिष्ठानों से दूध, मावा, पनीर और दही के नमूने लिए गए। जिन प्रतिष्ठानों से नमूने लिए गए उनमें विष्णु मंदिर के पास छत्री रोड स्थित न्यू जैन दूध डेयरी से मावा खुला और पनीर खुला के नमूने लिए गए। इसी रोड पर स्थित गुर्जर दूध डेयरी से दूध खुला का नमूना लिया गया। तहसील कोलारस के लुकवासा में पवन दूध डेयरी से पनीर खुला और दूध खुला के नमूने लिए गए। ग्वालियर बायपास पर नरेश गुर्जर के चलित वाहन से दूध खुला का नमूना लिया गया। तहसील पोहरी के ग्राम झिरी में दिलीप दूध डेयरी से दही खुला और दूध खुला के नमूने लिए गए। ए.बी. रोड बदरवास स्थित मिश्री दूध डेयरी से सप्रेटा दही खुला तथा माखन दूध डेयरी से दूध खुला के नमूने लिए गए।

जिला प्रशासन की ओर से आमजन से अपील की गई है कि वे हमेशा अच्छी गुणवत्ता का दूध और दूध से बने उत्पाद ही खरीदें। यदि किसी दुकान पर मिलावटी या खराब गुणवत्ता के उत्पाद बेचे जाते हैं तो इसकी सूचना खाद्य एवं औषधि प्रशासन को दें।

80 साल की बुजुर्ग मां बेटे के कंधों पर बैठकर पहुंची एसपी ऑफिस, छोटे बेटे-बहू पर घर से निकालने और मारपीट का आरोप

शिवपुरी शहर के फिजिकल थाना क्षेत्र की संजय कॉलोनी निवासी 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला अपने बेटे के कंधों पर बैठकर सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची। बुजुर्ग महिला ने छोटे बेटे और बहू पर मारपीट कर घर से निकालने तथा मकान पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए एसपी से न्याय की गुहार लगाई। महिला ने मांग की कि उसका मकान खाली कराकर उसे वापस दिलाया जाए।

पीड़िता विमला बाल्मीक पत्नी बालमुकुंद बाल्मीक ने बताया कि उसके दो बेटे हैं। पारिवारिक विवाद और गृह क्लेश के चलते उसने अपने बड़े बेटे के साथ रहने के लिए घर में अलग एक कमरा बनवा लिया था। जबकि मकान के दो अन्य कमरों पर उसके छोटे बेटे विक्रम बाल्मीक ने कब्जा कर लिया। महिला का आरोप है कि बेटे ने उसे और उसके पति को घर से बाहर निकाल दिया और रहने के लिए बाहर टपरा डाल दिया।

विमला बाल्मीक ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण टपरे में रहना मुश्किल हो गया। ऐसे में उसने अपने छोटे बेटे से एक कमरा खाली करने की बात कही, लेकिन इस पर बेटे और बहू ने उसके साथ मारपीट कर दी और दोनों को घर से भगा दिया। उनका कहना है कि पिछले तीन दिनों से वह और उसके पति इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं।

बुजुर्ग महिला ने बताया कि उसने इस मामले की शिकायत फिजिकल थाना पुलिस से भी की थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस से राहत नहीं मिलने पर वह सोमवार को अपने बेटे के कंधों पर बैठकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और आवेदन देकर अपने मकान की सुपुर्दगी दिलाने तथा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मामले में पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा आवेदन प्राप्त कर जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

मुरैना के उत्तमपुरा में सनसनी: घर में अकेली बुजुर्ग महिला की गला रेतकर हत्या, जेवर लूटकर बदमाश फरार; पुलिस कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

मुरैना (निज संवाददाता)। जिले के देवगढ़ थाना क्षेत्र के उत्तमपुरा गांव में रविवार देर रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। अज्ञात बदमाशों ने घर में अकेली रह रही 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला की गला रेतकर निर्ममता से हत्या कर दी और उनके गले से सोने की चेन व कानों के बाले लूटकर फरार हो गए। इस सनसनीखेज घटना के बाद से पूरे इलाके में भारी दहशत और आक्रोश का माहौल है। पति रहते हैं ग्वालियर, घर में अकेली थीं मृतका का नाम विमला देवी पत्नी बाबू सिंह सिकरवार मृतका के पति ग्वालियर में नौकरी करते हैं, जिसके चलते वह घर पर अकेली रहती थीं। इसी अकेलापन का फायदा उठाकर अज्ञात बदमाश घर में घुसे और धारदार हथियार से उनकी हत्या कर दी घटना की सूचना मिलते ही देवगढ़ थाना प्रभारी जयपाल गुर्जर पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद एफएसएल (स्नस्रु) टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने आसपास के इलाकों की घेराबंदी कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है स्थानीय लोगों में पुलिस गश्त और कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि देवगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस की नाइट गश्त (Night Patrolling) व्यवस्था पूरी तरह से लचर और नगण्य है। आरोप है कि थाने के प्रभारी रात के समय थाने में रुकने के बजाय मुरैना स्थित अपने निवास पर चले जाते हैं, जिससे पुलिसकर्मियों की मनमानी बढ़ती है और अपराधी बेखौफ होकर घूम रहे हैं।

मुरैना में स्कूल संचालक की हत्या के बाद निजी संचालकों में आक्रोश, सुरक्षा और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

मुरैना में अशासकीय विद्यालय संचालक एवं शिक्षक संघ ने स्कूल संचालक स्व. सतीश सिंह तोमर की नृशंस हत्या पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संघ ने प्रदेशभर में निजी व शासकीय विद्यालयों के परिसरों और संचालकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की पुरजोर मांग की है।

प्रमुख मांगें एवं समस्याएं

सुरक्षा व्यवस्थाः हालिया घटना के विरोध में स्कूलों की सुरक्षा के लिए प्रभावी प्रशासनिक व्यवस्था लागू करने की मांग।

शुल्क वसूलीः सत्र की शुरुआत में शुल्क निर्धारण की जानकारी देने के बावजूद स्पष्ट प्रक्रिया न होने पर हो रही आर्थिक और मानसिक परेशानियों का मुद्दा उठाया गया। साथ ही, टीसी जारी करने से पहले बकाया शुल्क भुगतान की नियमसंगत व्यवस्था की मांग की गई।

झूठी शिकायतें: सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई में मिलने वाली तथ्यहीन शिकायतों पर बिना पक्ष सुने एकतरफा कार्रवाई का विरोध किया गया।

शिकायत निवारण समितिः शिकायतों के निष्पक्ष निराकरण के लिए प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षा विभाग और संघ के प्रतिनिधियों की एक संयुक्त समिति गठित करने की मांग रखी गई।

शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा आने-जाने वालों के लिए रास्ता हुआ अवरुद्ध

अशोक नरवरिया

गोरमी तहसील के अंतर्गत आने वाले बालूपुरा ग्राम पंचायत का मामला

आम रास्ता भूखंड क्रमांक 90,127 पर कब्जा कर रोक आम रास्ता

कई बार हुआ सीमांकन पर फिर भी नहीं कब्जा धारीयों ने छोड़ा कब्जा

गोरमी : तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बालूपुरा में आम रास्ता न होने से स्थानी जनों को काफी परेशानी हो रही है हम आपको बता दें कि मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय जैन बताते हैं कि बालूपुरा से बंबा की ओर जाने वाला आम रास्ता क्रमांक 90,127 पर स्थानीय लोगों ने अपने स्वयं के वैसे सरपंच की सहमति से मिट्टी डलवाकर रोड का निर्माण कराया था जिसको लेकर गवर्नमेंट तहसीलदार मनीष दुबे के नेतृत्व में सीमांकन की कार्रवाई भी की गई थी, सीमांकन होने के उपरांत ही इस पर मिट्टी डालकर कच्ची रोड का निर्माण कराया गया लेकिन स्थानी कुछ दबंगों द्वारा अपने प्राचीन बने हुए मिट्टी के टीले इत्यादि को बढ़ाकर फिर से इस रोड को तोड़ने का काम किया जा रहा है, इस संबंध में लगातार गोरमी तहसीलदार जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत तक शिकायत की जा रही है पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है स्थानीय जन बताते हैं कि इस घटना को लेकर के लगातार गोरमी थाना प्रभारी को भी जानकारी दी जा रही है एवं तहसीलदार बा एसडीओपी महोदय मेहगांव व एसपी महोदय भिंड को भी इस संबंध में अवगत कराया जा चुका है, पर इस और कोई भी ध्यान देने को तैयार नहीं है, स्थानी जनों का कहना है कि यदि ऐसी ही स्थिति बनी रही तो किसी दिन यहां बड़ी दुर्घटना भी घटित हो सकती है जिसके लिए जिम्मेदार समस्त प्रशासनिक अधिकारी होंगे

डायल-112 ने लौटाई 'परी' की मुस्कान

ढाई साल की मासूम सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द, पुलिस की संवेदनशीलता की सराहना

विजयपुर (निज संवाददाता)। विजयपुर क्षेत्र में डायल-112 पुलिस की मुस्तैदी और मानवीय संवेदनशीलता ने एक बार फिर एक परिवार की खुशियां लौटा दीं। घर से बिछड़ी ढाई वर्षीय मासूम बच्ची को पुलिस ने सुरक्षित संरक्षण में लेकर उसके परिजनों तक सकुशल पहुंचा दिया। जानकारी के अनुसार, गश्त के दौरान डायल-112 पुलिस टीम को करीब ढाई वर्षीय एक बच्ची अकेली भटकती हुई मिली। पुलिस ने तत्काल उसे अपनी सुरक्षा में लेकर उसकी पहचान के प्रयास शुरू किए। जांच के दौरान बच्ची की पहचान परी पुत्री अलकेश धाकड़ (उम्र करीब 2.5 वर्ष), निवासी ग्राम पिपरवास के रूप में हुई। पहचान होते ही पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। आवश्यक पुष्टि के बाद मासूम परी को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया। अपनी बेटी को सुरक्षित पाकर परिजनों के चेहरे पर खुशी लौट आई। उन्होंने डायल-112 पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता और मानवीय सेवा की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि डायल-112 केवल आपातकालीन सेवा ही नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के लिए भरोसे और सुरक्षा का मजबूत सहारा भी है।

विजयपुर में गूंजा नशे के खिलाफ बिगुल, ग्राम चौपाल में दिलाई शपथ

'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत ग्रामीणों को किया जागरूक, युवाओं से किया सीधा संवाद

श्योपुर/विजयपुर (निज संवाददाता)।

श्योपुर पुलिस द्वारा संचालित 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत विजयपुर थाना पुलिस ने ग्राम गोपालपुर एवं पार्वती बड़ौदा में ग्राम चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। अभियान पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम में एसडीओपी विजयपुर के नेतृत्व में सूबेदार भागवत प्रसाद पांडेय तथा थाना स्टाफ ने ग्रामीणों, युवाओं और झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों के लोगों से संवाद कर नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार की खुशहाली, आर्थिक स्थिति और सामाजिक वातावरण पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डालता है। ग्राम चौपाल के अंत में उपस्थित ग्रामीणों ने हाथ उठाकर नशे से दूर रहने तथा अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली। पुलिस ने लोगों से अपील की कि यदि कहीं भी अवैध मादक पदार्थों का कारोबार या सेवन होता दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जा सके। पुलिस के अनुसार यह विशेष जनजागरण अभियान लगातार जारी रहेगा। इसका उद्देश्य ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाकर स्वस्थ, सुरक्षित और अपराध-मुक्त समाज का निर्माण करना है।

संदेशः

'नशे को कहें ना, जीवन को कहें हां। आइए, नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। '

देहात थाना क्षेत्र में चली मजिस्ट्रेट चेकिंग

भिण्ड (निज संवाददाता)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के पत्र के अनुपालन में थाना यातायात एवं थाना देहात भिण्ड के क्षेत्राधिकार में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी डॉ. मनोज कुमार गोयल के नेतृत्व में थाना प्रभारीगण, थाना यातायात एवं थाना देहात तथा उक्त थानों के स्टाफ एवं न्यायालयीन कर्मचारियों की सहायता से वाहनों की चेकिंग के संबंध में मोबाइल कोर्ट लगाई गई। जिसमें मोटरयान अधिनियम के नियमों का उल्लंघन कर चलाए जा रहे वाहनों, स्कूल बसों, अवैध रूप से काली फिल्म लगे वाहनों, बिना पंजीयन, बिना बीमा एवं बिना हेलमेट के चलाए जा रहे दोपहिया वाहनों की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान स्कूल बसों में परमिट की शर्तों का उल्लंघन पाया गया। जिसमें स्कूल बस का जीपीएस कार्य नहीं कर रहा था। सीसीटीव्ही कैमरा कार्य नहीं कर रहा था। छात्राएं होने के बावजूद महिला अटेंडेंट नहीं थी। प्राथमिक उपचार बॉक्स नहीं था।

अग्निशमन यंत्र एक्सपायर

इस कारण स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल भिण्ड की दो स्कूल बसों तथा सरस्वती विद्यालय टीकरी की एक स्कूल बस का नियमानुसार चालान कर मौके पर ही अर्थदण्ड वसूला गया। थाना देहात क्षेत्र में लगी मोबाइल कोर्ट के दौरान वाहन क्र. एम.पी.07 जेड.ए.5540 (स्कॉर्पियो) पर अवैध रूप से हूटर लगा पाया गया, जिसे मौके पर उतरवाकर चालानी कार्रवाई की गई। वाहन क्र. एम.पी.30 पी.3882 (स्कॉर्पियो) पर अवैध काली फिल्म लगी होने पर मौके पर फिल्म उतरवाकर नियमानुसार अर्थदण्ड वसूला गया। मोबाइल कोर्ट के दौरान 67 प्रकरण बनाए गए तथा मोटरयान अधिनियम के नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से 4 लाख 96 हजार 800 रुपए का अर्थदण्ड वसूला गया।

चेकिंग के दौरान एक बिना नंबर का वाहन पुलिस द्वारा रोकने के बावजूद नहीं रुका और चालक वाहन लेकर भाग गया। इसी प्रकार काली फिल्म लगी एक कार, जिस पर नंबर प्लेट के ऊपर पुलिस अंकित था तथा वाहन क्र. एम.पी.09 ... अंकित था, उसका चालक भी पुलिस के रुकने के संकेत के बावजूद वाहन लेकर अटेर रोड की ओर भाग गया। इसी प्रकार वाहन क्र. एम.पी.07 जेड.एन.2165 जिसके आगे तहसीलदार की प्लेट लगी थी तथा सभी शीशों पर काली फिल्म लगी थी, उसका चालक भी पुलिस के रोकने के संकेत के बावजूद वाहन लेकर चला गया। मोबाइल कोर्ट का उद्देश्य आमजन को मोटरयान अधिनियम के नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है, ताकि सभी नागरिक नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित वाहन चलाएं।

गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

भिण्ड। अटेर विकास खण्ड के शा. हाईस्कूल गोपालपुरा में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अवसर पर गतिविधि कैलेंडर अनुसार विभिन्न कार्यक्रम दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना, भाषण, प्रतियोगिता गुरु विषय पर निबंध, संस्कृत श्लोक, भजन गुरु वंदना प्रस्तुति योगाभ्यास ध्यान एवं स्वास्थ्य जागरुकता, कैरियर मार्गदर्शन व्याख्यान, स्वच्छता अभियान एवं जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। प्राचार्य बालकृष्ण पचौरी ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु ही हमारे जीवन में अज्ञानता रूपी अंधकार को दूर करते हुए शिक्षा रूपी प्रकाश को हमारे जीवन में फैलाकर हमारे जीवन को महकाता है। अतः हमारे जीवन में गुरु का अत्यधिक महत्व है। शिक्षक वरुण सिंह भदौरिया

ने कहा कि वैसे तो हम जन्म से ही किसी न किसी को गुरु बनाते हैं, सबसे पहले गुरु हमारे माता-पिता ही होते हैं, जो हमारा लालन-पालन करके संसार की कठिन डगर में पग-पग हमें आगे बढ़ना सिखाते हैं। इसके बाद शिक्षा गुरु होते हैं, जो हमें सांसारिक ज्ञान का पाठ पढ़ाते हुए उसमें दिनों दिन निखार लाकर नित आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं। इन सभी गतिविधियों में शिक्षक रेखा शर्मा, गायत्री कुशवाह, बृजेन्द्र पुरोहित, हरेन्द्र सिंह भदौरिया, राजेश कुमार जयंत, वरुण सिंह भदौरिया, पुष्पाल सिंह चौहान सहित लगभग एक सैकड़ा छात्र/ छात्राओं ने सहभागिता की।

उद्योगों से समन्वय स्थापित कर अप्रेंटिसशिप के अवसर बढ़ाएं : कलेक्टर

- जिला कौशल विकास समिति की बैठक आयोजित

भिण्ड। जिला कौशल विकास समिति की बैठक कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें जिले में संचालित कौशल विकास, रोजगार, अप्रेंटिसशिप एवं मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना की प्रगति की समीक्षा की गई।

कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा ने प्राचार्य शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भिण्ड तथा जिला रोजगार अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले के समस्त शासकीय एवं निजी आईटीआई, पॉलिटेक्निक तथा अन्य प्रशिक्षण संस्थान प्रशिक्षणार्थियों के प्लेसमेंट एवं अप्रेंटिसशिप पर विशेष ध्यान दें तथा लक्ष्य के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक प्रतिष्ठानों का पंजीयन एवं युवाओं का प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजनांतर्गत उद्योगों से समन्वय

स्थापित कर अप्रेंटिसशिप के अवसर बढ़ाने निर्देश दिए। जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, आईटीआई तथा अन्य संबंधित विभाग संयुक्त रूप से रोजगार मेले एवं कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि शासकीय आईटीआई भिण्ड में प्रशिक्षणार्थियों एवं स्टाफ की सुविधा के दृष्टिगत कैन्टीन सुविधा प्रारंभ किए जाने हेतु आवश्यक कार्रवाई प्रस्तावित कर शीघ्र पूर्ण कराएं। साथ ही शा. आईटीआई भिण्ड में नव प्रारंभित सोलर टेक्नीशियन एवं मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल व्यवसायों के प्रभावी प्रशिक्षण संचालन हेतु आवश्यक मशीनें, टूल्स, उपकरण एवं प्रशिक्षण सामग्री का नियमानुसार क्रय करने की कार्रवाई प्राथमिकता से की जाए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि विभागीय अधिकारियों के मध्य समन्वय स्थापित कर अधिकतम युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ा जाए। उन्होंने महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र को निर्देशित किया कि इंटर्नशिप योजना के तहत वेकेंसी बढ़ाने हेतु संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर मालनपुर के उद्योगपतियों के साथ बैठक आयोजित कराएं।

शीघ्र निराकरण करें : कलेक्टर

- समय सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

भिण्ड। समय सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत वीर सिंह चौहान, अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी तथा कई अधिकारी वर्चुअल रूप से उपस्थित रहे।

कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाले सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि लापरवाही या अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने 100 दिवस से अधिक लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इनका त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने सभी जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ को मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिलना चाहिए। लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता जल्द मिले और उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने

प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन पेंशन योजना के तहत अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन करानें के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस से संबंधित विभागों के बिन्दुओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्धारित प्राथमिकताओं के अनुरूप विभागवार प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने-अपने बिन्दुओं पर अद्यतन जानकारी रखें तथा प्राप्त निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने समस्त विभाग अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए की न्यायालयीन प्रकरण का जबाव दावा समय पर प्रस्तुत करें। लापरवाही बरतने पर संबंधित जिला अधिकारी की जवाबदेही होगी।

दो घण्टे चली मजिस्ट्रेट चेकिंग, 40 वाहनों पर लगाया जुर्माना

- स्कूल बसों में जांच के दौरान कई कमियां पाई गईं, किए चालान

भिण्ड (निज संवाददाता)। शहर कोतवाली के पास सोमवार को सुबह मजिस्ट्रेट चैकिंग के दौरान 10 स्कूल बसों की जांच की गई, जिनमें कई खामियां पाई गईं। इसके बाद जांच अभियान देहात थाना क्षेत्र में बायपास रोड पर चैड्क्षकग की गई। इस अभियान में 17 चार पहिया वाहन एवं एक दर्जन से अधिक दो पहिया वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। जांच अभियान में 10 स्कूल बसों की जांच में अधिकांश बसों के पैनिक बटन बंद मिले, कई बसों में स्पीड गवर्नर नहीं था और महिला अटेंडर भी मौजूद नहीं मिली। इसके अलावा फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र और अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरणों की भी कमी पाई गई। नियमों का उल्लंघन मिलने पर सभी संबंधित बस संचालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में चैकिंग अभियान सुबह करीब 8 बजे शुरू हुआ और करीब दो घण्टे तक चला। इसमें चार पहिया वाहनों के रजिस्ट्रेशन, बीमा, सीट बेल्ट, प्रदूषण प्रमाणपत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज जांचे गए। नियमों का उल्लंघन करने वाले 17 चार पहिया वाहनों के चालान काटे गए तथा बिना हेलमेट, बिना बीमा और बिना वैध दस्तावेज के वाहन चला रहे एक दर्जन से अधिक लोगों पर भी चालानी कार्रवाई की गई। कुल मिलाकर 40 से अधिक वाहनों के चालान बनाए गए। इसके बाद देहात थाना क्षेत्र में वायपास पर भी जांच अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने वाहन चालकों को भविष्य में सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखने और यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े नियमों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बिना श्रद्धा और विश्वास के आप ईश्वर को नहीं पा सकते : अवधबिहारी दास

- टीकरी धाम में श्रीराम कथा एवं श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन

मेहगांव (निज संवाददाता)। मेहगांव क्षेत्र के टीकरी धाम में महंत कमलदास महाराज के सानिध्य में श्रीराम कथा एवं श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। श्रीमद् भागवत के कथा व्यास संत अवध बिहारीदास ने कहा कि मनुष्य को भगवान का भजन कर चाहिए। जब भी भगवान के मन में कुछ आता है तो वे संत के माध्यम से अपनी बात आप तक पहुंचाते हैं। संत अगर आज्ञा दे रहे हैं, संत अगर कोई विचार या कोई प्रेरणा दे रहे हैं तो वह संत नहीं कह रहे हैं वल्कि भगवान नारायण अपनी बात आप तक पहुंचा रहे हैं। संत भगवान की ही विभूति है।

उन्होंने कहा कि धर्म एक अलौकिक तत्व है। मनुष्य संसार में भौतिक उपकरण से सुख के लिए सुविधाओं तो कर लेता है लेकिन धर्म जैसा आनंद संसार में नहीं है। भौतिक सुविधाएं मनुष्य को आत्मिक शांति नहीं दे सकतीं, जो हमें धर्म से मिलती है। धर्म पर चलने से हमें जो आनंद मिलता है वही सच्चा सुख और आनंद है। इसलिए जब भी धर्म की हानि होती है और अधर्म बढ़ता है तो भगवान भक्त का मान जरूर रखते हैं। उन्होंने कहा कि बिना श्रद्धा और विश्वास के आप ईश्वर को नहीं पा सकते। गुरु के वाक्यों में श्रद्धा और विश्वास से साधक सब कुछ प्राप्त कर सकता है। भगवान अनंत हैं और उनकी कथाएं भी अनंत हैं।

इस मौके पर दंदराआ धाम के महंत 1008 महामंडलेश्वर रामदास महाराज ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों पर रहती है। हम जिस पल भगवान को सच्चे मन से याद करते हैं, वही पल सार्थक है, बाकी सब मिथ्या है। उन्होंने कहा कि धन-दौलत, मान-प्रतिष्ठा सब अस्थाई होता है जो विपरीत परिस्थितियों में बेसहारा छोड़ चला जाता है। एक भगवान का नाम ही है जो हमारे साथ हमेशा रहता है।

मंच संचालन हरिओमदास महाराज ने किया। इस मौके पर महंत कालीदास महाराज, रामेश्वर दयाल भारद्वाज, शांतिदास महाराज, पवन शास्त्री, ओमप्रकाश पुरोहित, जलज त्रिपाठी, राजू शर्मा, रामकुमार बौहरे, नरसी दद्दा, सतीश व्यास, श्रीराम शर्मा, हरीओम सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

15 दिन बाद हटा अवरोध, प्रशासन का बुलडोजर चला

- भिण्ड-ग्वालियर हाईवे पर फिर शुरू होगा नाले का निर्माण

मालनपुर (निज संवाददाता)। भिण्ड-ग्वालियर नेशनल हाईवे स्थित मालनपुर में निर्माणाधीन शासकीय नाले के कार्य में बाधा डालने और सरकारी कार्य में अवरोध उत्पन्न करने के मामले में प्रशासन ने सोमवार को संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध अतिक्रमण हटा दिया। करीब 15 दिनों से रुका नाले का निर्माण कार्य अब दोबारा शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है।

जानकारी के अनुसार नगर परिषद मालनपुर के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) रेहान अली द्वारा सरकारी कार्य में बाधा डालने की शिकायत गोहद एसडीएम को लिखित रूप से भेजी गई थी। शिकायत के आधार पर एसडीएम विकास कुमार के निर्देशन में तहसीलदार राकेश श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार रमाशंकर शर्मा, सीएमओ रेहान अली तथा मालनपुर थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सोनी के नेतृत्व में संयुक्त अमला मौके पर पहुंचा। कार्रवाई के दौरान निर्माण कार्य में बाधा बने अवैध अतिक्रमणों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें हटाया गया। प्रशासन की सख्ती के आगे अतिक्रमणकारियों को झुकना पड़ा और विरोध समाप्त हो गया। इसके बाद निर्माण स्थल को अतिक्रमण मुक्त कर नाले के निर्माण कार्य का मार्ग प्रशस्त किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शासकीय विकास कार्यों में बाधा डालने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। स्थानीय लोगों ने भी लंबे समय से रुके नाले के निर्माण कार्य के दोबारा शुरू होने पर संतोष जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि इससे जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी। इस मौके पर नगर परिषद इंजीनियर विजयश्री शर्मा, क्षेत्रीय पटवारी संजय शर्मा स्वच्छता अधिकारी बृजेश कुमार, कौशलेन्द्र प्रजापति एवं पुलिस बल आदि अमला मौके पर मौजूद रहा।

आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत

भिण्ड (निज संवाददाता)। मिहोना थाना क्षेत्र के काथा गांव में रविवार दोपहर खेत पर मवेशी चराते समय बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे पहुंचा, उसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक 58 वर्षीय तुलसीराम दौहरे पुत्र गुत्थूलाल दौहरे निवासी ग्राम काथा रविवार सुबह गांव के हार में मवेशी चराने गए थे। दोपहर करीब तीन बजे तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए वह पास ही एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गए। घटना की जानकारी मिलते ही आस-पास मौजूद ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। उन्हें तत्काल लहार सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

उत्तर मध्य रेलवे

जेम टेंडर नोटिस संख्याः- GEM/2026/B/7829300 दिनांक : 24.07.2026

ई-निविदा नोटिस

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, झाँसी द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.: GEM/2026/B/7829300

कार्य का उसके स्थान सहित नामः- वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी रेलवे स्टेशन स्थित टीटीई रेस्ट हाउस हेतु 03 (तीन) वर्षों की अवधि के लिए गतिविधि-आधारित समग्र हाउसकीपिंग सेवा अनुबंध, जिसके अंतर्गत रेस्ट हाउस के सुचारु संचालन हेतु प्रशिक्षित एवं पर्याप्त जनशक्ति की उपलब्धता, बिस्तर (वेडिंग) व्यवस्था, समग्र हाउसकीपिंग एवं सफाई कार्य, रेस्ट हाउस के लिनेन की धुलाई एवं इस्त्री, सैनिटरी उपभोग्य सामग्रियों तथा सफाई उपकरण/सामग्री की आपूर्ति, पत्र-पत्रिकाओं एवं समाचार-पत्रों की उपलब्धता, डीटीएच अथवा समकक्ष केबल कनेक्शन की व्यवस्था, सब्सिडी युक्त भोजन सहित कैटरिंग व्यवस्था तथा रेलवे द्वारा समय-समय पर निर्धारित नियमों, शर्तों एवं निर्देशों के अनुरूप अन्य सभी संबद्ध सेवाओं का निष्पादन।

कार्य का अनुमानित लागत (तीन बर्ष हेतु):- रु. 1,57,14,988/- (रुपये एक करोड़ सत्तावन लाख चौदह हजार नौ सौ अट्ठासी मात्र), **ठेके की अवधिः-** तीन वर्ष

बयाना राशिः- रु. 2,28,575/-(रुपये दो लाख अट्ठाईस हजार पाँच सौ पचहत्तर मात्र)

ई-निविदा खुलने की तिथि एवं समयः 17.08.2026 को **14:00** बजे, वेबसाइट एवं निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता हैः- ई-निविदा का पूर्ण विवरण (ई-निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.gem.gov.in** पर टेण्डर खुलने की तिथि **17.08.2026** को **14:00** बजे तक उपलब्ध है एवं ई-निविदा सूचना उत्तर मध्य रेलवे की बेवसाइट **www.ncr.indianrailways.gov.in** पर भी देखा जा सकता है। **1710/26 (D)**

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 82.70 लाख से अधिक किसानों को 3308 करोड़ रूपए अंतरित

प्रत्येक हितग्राही किसान के खाते में पहुंचे एकमुश्त चार हजार रूपए

किसानों को वैज्ञानिक खेती और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का जरिया है बलराम कृषि महोत्सव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

खण्डवा में होगी पुलिस बटालियन की स्थापना, मूंदी से खण्डवा रोड बनेगा शीघ्र

मुख्यमंत्री ने जैविक, हाईटेक खेती और खाद्य प्रसंस्करण के लिए किसानों को किया सम्मानित

मेधावी विद्यार्थियों और सोशल मीडिया एन्फ्लुएंसर्स को दिए प्रशस्ति-पत्र

मुख्यमंत्री ने बलराम कृषि महोत्सव में की किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को प्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने खंडवा जिला मुख्यालय में हुये बलराम कृषि महोत्सव में प्रदेश के 82 लाख 70 हजार से अधिक किसानों के खातों में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना अंतर्गत 3308 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से अंतरित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई उन्नत कृषि पर केंद्रित कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती-किसानी को लाभदायी बनाने और कृषि को आधुनिक स्वरूप देने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव केवल एक आयोजन न होकर किसानों को नई तकनीक, वैज्ञानिक खेती और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का व्यापक अभियान है। यह किसानों का अपना कार्यक्रम है, किसान इसका अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी खेती को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खंडवा की बात ही अलग है। अतीत का खानदेश अब कई खासियतों के लिए मशहूर है। यहाँ की काली मिट्टी फसलों के लिए सोने जैसी है। इसीलिए यहां की फसलें भी सोने के भाव बिकती हैं। खंडवा जिले के हर खंड में किसानों की मेहनत से खुशहाली है। बात खेती-किसानी की हो, या जल और पर्यावरण बचाने की, खंडवा हर मामले में अव्वल है। यहां के परिश्रमी किसानों ने अपनी उद्यमशीलता और नवाचारों से पूरे देश और प्रदेश में खेती का एक अलग ही स्टैंडर्ड मॉडल सेट किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से अनुरोध करते हुए कहा कि बलराम कृषि महोत्सव आपका अपना महोत्सव है। इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि परम्परागत खेती अब गुज़रे ज़माने की बात हो गई है। अब आधुनिक और उन्नत खेती का दौर है। किसान बंधु अपने खेत की मिट्टी की जांच करायें। मिट्टी की उत्पादकता के अनुसार ही फसल लें। बहुत अधिक रायायनिक उर्वरकों का उपयोग करने से बचें, जितनी जल्दी हो सके, प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर बढ़ें। फसल विविधीकरण अपनाएं। एक ही किस्म की फसल के स्थान पर एक ही समय में खेत में एकाधिक फसल लें। इससे किसानों के खेतों में नई फसल किस्मों की हरियाली आयेगी, साथ ही आमदनी भी बढ़ेगी।

किसानों के प्रति सरकार के मन में अगाध श्रद्धा और सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार लगातार किसान कल्याण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। किसान अपनी मेहनत और पसीने से धरती से अन्न उगाते हैं और भूखों को अनाज उपलब्ध कराते हैं। किसानों के प्रति हमारी सरकार के मन में अगाध श्रद्धा और सम्मान है। किसान भाइयों को आज एक साथ 4000 रुपए सम्मान निधि के रूप में उनके बैंक खातों में भेजे गए हैं।

कृषक कल्याण वर्ष में किसानों की आय दोगुना करने का संकल्प

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की क्षमताओं को पहचानती है। भारत वह देश है, जो अपनी परम्पराओं में वसुधैव कुटुम्बकम का भाव रखते हुए संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानता है। हमारी संस्कृति 'जियो और जीने दो' पर विश्वास करती है। भगवान बलराम कृषि क्षेत्र के पहले देवता हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुना करने के लिए हम वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मना रहे हैं। इसमें प्रदेश के विभिन्न अंचलों में बलराम कृषि महोत्सव मनाये जा रहे हैं।

दुग्ध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह किसानों के प्रति हमारी संकल्प शक्ति का ही परिणाम है कि आज प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़कर 65 लाख हैक्टेयर हो गया है, जो कि वर्ष 2002-03 से पहले मात्र 44 लाख हैक्टेयर था। पिछले ढाई साल में सिंचाई का रकबा 10 लाख हैक्टेयर से अधिक बढ़ चुका है। राज्य सरकार ने कृषि क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के लिए किसानों को बिजली, पानी, बेहतर सड़कें, प्राकृतिक खेती और आधुनिक खेती से जोड़ा है। किसान भाई अब ड्रोन से खेतों में खाद-बीज का छिड़काव कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसी वर्षाकाल के बाद किसानों को रात के साथ दिन में भी सिंचाई के लिए बिजली दी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार दूध उत्पादन को प्रोत्साहित कर रही है। दूध उत्पादन को वर्तमान 9 प्रतिशत से बढ़ाकर हमने 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है।

अब एक समान कानून से चलेगा मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में अब एक देश, एक निशान, एक विधान, एक प्रधान का संकल्प पूरा हो रहा है। 'सब समान-सबको सम्मान' ही हमारा भाव है। हमारी सरकार ने समान नागरिक संहिता विधेयक विधानसभा से पास करवाया है। अब हमारा प्रदेश एक समान कानून से चलेगा। उन्होंने बताया कि यूसीसी के संबंधित सर्वे में साढ़े 3 करोड़ से अधिक लोगों को एसएमएस भेजे गए। इसके लिए 10 लाख से अधिक सुझाव मिले। सर्वे में 76 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम बहनों ने यूसीसी लागू करने का समर्थन किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में बहनों को तीन तलाक से मुक्ति मिल चुकी है। सभी समुदायों की महिलाएं हमारी बहनें हैं।

अगले माह से मिलेगी सरकारी रोडवेज बसों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपए की सौगात मिल रही है। हर महीने रक्षाबंधन मनता है। अगले महीने से प्रदेश के नागरिकों को सरकारी रोडवेज बसों की सौगात मिलेगी। यह गरीब, किसानों के कल्याण का समय है। प्रदेश में गरीब-जरूरतमंदों को इलाज के लिए एयर एंबुलेंस उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े सभी धार्मिक स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है। सिंहस्थः 2028 के आयोजन की तैयारियों के साथ ही ओंकारेश्वर धाम में भी 3 हजार करोड़ की लागत से विकास कार्य किए जा रहे हैं।

गरीबों का कष्ट मिटाना, यही जीवन और राजनीति का मर्म है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खंडवा के दादाजी धूनीवाले के धाम और समाधि स्थल पर विकास के कार्य तेजी से जारी हैं। हमारा इरादा सभी को साथ लेकर आगे बढ़ते हुए प्रदेश को बेहतर राज्य बनाना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के 80 करोड़ से अधिक गरीबों को निःशुल्क अनाज वितरित किया जा रहा है, जिससे अन्न के अभाव में कोई भी भूखा न सोये। गरीबों को ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में निःशुल्क पीएम आवास उपलब्ध कराए गए हैं। गरीब का हाथ थामकर उनके जीवन के कष्ट मिटाना, यही जीवन है, यही राजनीति का मर्म है।

प्रदेश में बनेंगे 275 सांदीपनि विद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश नदियों का मायका है और खंडवा और निमाड़ क्षेत्र को मां नर्मदा का विशेष आशीर्वाद मिला हुआ है। निमाड़ के किसानों को सिंचाई के लिए मां नर्मदा का जल मिल रहा है। दो दिन बाद गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेश को नए सांदीपनि विद्यालयों की सौगात मिलेगी। प्रदेश में पहले चरण में 275 सांदीपनि विद्यालय स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 136 बनकर तैयार हो चुके हैं और 105 विद्यालयों का लोकार्पण भी हो चुका है। दूसरे चरण में हम 200 नये सांदीपनि विद्यालय बनायेंगे। इन विद्यालयों में विद्यार्थियों को संस्कारों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदाय की जा रही है। प्रदेश में युवाओं के लिए सर्वसुविधायुक्त नए मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालय खोले जा रहे हैं। भारत के युवा खेलों में भी देश का मान बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में जहां कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत की बेटी सुश्री मीराबाई चानू ने स्वर्ण पदक और श्री राजा मुथुपांडी ने रजत पदक अपने नाम किया है। क्रिकेट में नौजवान खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी ने विरोधी टीम के छक्के छुड़ाये।

हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का किया आव्हान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया है कि आने वाले 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस से पहले हर घर तिरंगा अभियान चलेगा और सभी लोग इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, मदनलाल ढींगरा जैसे सभी वीरों के बलिदान का स्मरण करें।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार कृषक कल्याण वर्ष में प्रदेश के अन्नतादाओं को लगातार बड़ी सौगातें दे रही है। खंडवा की महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में उन्नत कृषि और किसान की आय बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गरीब, किसान, युवा और नारी सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रदेश के साथ ही खंडवा में भी जल संचय के लिए अनेक कार्य किए गए हैं। पहले जिले में हर वर्ष जल संकट की स्थिति रहती थी, लेकिन आज खंडवा में पर्याप्त जल उपलब्ध है।

प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खण्डवा में पुलिस बटालियन की स्थापना करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मूंदी से खंडवा के बीच नई सड़क का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 15 सितंबर से पहले टेंडर जारी कर दिए जाएंगे।

बलराम कृषि महोत्सव की स्मृति के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को किसानों ने हल भेंट किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जैविक, हाईटेक खेती और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसान बंधुओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों और सोशल मीडिया एन्फ्लुएंसर्स को भी सम्मानित किया।

कार्यक्रम में विधायक श्री नारायण पटेल, विधायक श्रीमती छाया मोरे, नगर निगम अध्यक्ष श्री अनिल विश्वकर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित थे।

एग्री-हॉर्टिकल्चर सेक्टर में म.प्र. को मिला प्रथम पुरस्कार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन पर दी बधाई

भोपाल (निज संवाददाता)। नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कृषि एवं उद्यानिकी एक्सपो-2026 में संपूर्ण एग्री-हॉर्टिकल्चर सेक्टर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मध्यप्रदेश को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि के लिये प्रदेश के किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों को बधाई दी है। अंतर्राष्ट्रीय एक्सपो 25 से 27 जुलाई तक भारत मंडपम में आयोजित किया गया, जिसमें देश-विदेश से कृषि, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़े विभागों, वैज्ञानिकों, कृषि विशेषज्ञों, उद्यमियों तथा किसानों ने सहभागिता की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में अग्रणी राज्य है। किसान भाइयों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिल सके इसके लिये सरकार द्वारा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना और उत्पादित माल के विक्रय के लिये विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश में किये गये नवाचारों को नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कृषि एवं उद्यानिकी एक्सपो-2026 में पूरे देश ने सराहा है। राज्य सरकार लगातार इस क्षेत्र में कार्य कर रही है।

म.प्र. उद्यानिकी क्षेत्र में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है : मंत्री श्री कुशवाह उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश उद्यानिकी क्षेत्र में लगातार नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्रदेश में उद्यानिकी फसलों के उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, वैल्यू एडिशन, निर्यात संवर्धन और किसान हितैषी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के कारण राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। नई दिल्ली में प्राप्त प्रथम पुरस्कार प्रदेश के किसानों, उद्यमियों और विभागीय अधिकारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इससे मध्यप्रदेश की उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। एक्सपो में कर्नाटक, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों के उद्यानिकी विभागों ने अपने-अपने प्रदेशों में संचालित योजनाओं, आधुनिक तकनीकों तथा जैविक कृषि उत्पादों का प्रदर्शन किया। इन सभी के बीच मध्यप्रदेश की प्रदर्शनी को नवाचार, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और किसानों को खाद्य प्रसंस्करण से जोड़ने की दिशा में किए गए कार्यों के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में लगभग 25 हजार किसानों, वैज्ञानिकों, कृषि विशेषज्ञों और उद्यमियों ने भ्रमण कर आधुनिक कृषि एवं उद्यानिकी तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। एक्सपो का प्रमुख उद्देश्य किसानों को केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से अवगत कराना, आधुनिक तकनीकों का प्रसार करना और कृषि एवं उद्यानिकी आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में 'गुरु पूर्णिमा महोत्सव' पर सांदीपनि अलंकरण समारोह उज्जैन में 29 जुलाई को

माधव विज्ञान महाविद्यालय में होगा आयोजन

भोपाल (निज संवाददाता)।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर 29 जुलाई को उज्जैन के माधव विज्ञान महाविद्यालय में आयोजन किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी की बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत या उससे अधिक परिणाम देने वाले शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों का सम्मान, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस पर आधारित मिशन बुनियाद परियोजना का शुभारंभ और स्कूल शिक्षा विभाग के नवनियुक्त प्राथमिक शाला शिक्षकों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के शासकीय स्कूलों, कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों सर्वांगीण विकास, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन और गुरु-शिष्य परंपरा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत स्कूलों, कॉलेजों में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं, नैतिक मूल्यों एवं गुरु के प्रति आदर की भावना से जोड़ने के साथ विद्यालयों, महाविद्यालयों में संस्कारयुक्त एवं सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जो व्यक्ति अपने शिष्य को भगवान शिव और परमात्मा से जोड़ दे, वही सच्चा गुरु : पंडित प्रदीप मिश्रा

- कुबेरेश्वरधाम में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव में उमड़ रहा श्रद्धालुओं का सैलाब

सीहोर, 27 जुलाई (हि.स.)। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि गुरु बाजार में मिलने वाली वस्तु नहीं, बल्कि विश्वास और भरोसे की मूर्ति होता है। गुरु और शिष्य का संबंध केवल आस्था और विश्वास पर टिका होता है। सादगी के साथ जो व्यक्ति अपने शिष्य को भगवान शिव और परमात्मा से जोड़ दे, वही सच्चा गुरु कहलाने योग्य है।

पंडित प्रदीप मिश्रा मध्य प्रदेश के सीहोर जिला मुख्यालय के समीपस्थ कुबेरेश्वरधाम में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव में सोमवार को शिव महापुराण कथा सुना रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा का पर्व पूरे विश्व में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। इस दिन गुरु अपने शिष्यों को स्मरण करते हैं और शिष्य अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। गुरु का स्थान जीवन में सर्वोच्च होता है, क्योंकि वही मनुष्य को सत्य और ईश्वर के मार्ग पर चलना सिखाता है।

कुबेरेश्वरधाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं शिव महापुराण कथा के चौथे दिन सोमवार को भी श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। देश-विदेश से आए लाखों श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। बुधवार को गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाएगा, जिसके लिए श्रद्धालुओं का आगमन लगातार जारी है। यहां पर आने वाले लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के लिए यहां पर भोजन-प्रसादी और पेयजल आदि की व्यवस्था की गई है।

मर्यादित भाषा में हो विरोध

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने और विरोध करने का अधिकार है, लेकिन विरोध हमेशा मर्यादित भाषा और गरिमा के साथ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश का प्रधानमंत्री किसी भी दल का हो, उसके प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग उचित नहीं है। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान प्रयुक्त आपत्तिजनक भाषा को उन्होंने मर्यादा के विरुद्ध बताते हुए कहा कि असहमति भी सभ्य और संस्कारित तरीके से व्यक्त की जानी चाहिए।

धनवान नहीं, पुण्यवान बनने का प्रयास करें

उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान करते हुए कहा कि जीवन में धन कमाना आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है पुण्य कमाना। अपने धन का एक भाग सेवा, परोपकार और धार्मिक कार्यों में लगाने से जीवन सार्थक बनता है। पुण्य की कमाई ही मनुष्य के साथ हर परिस्थिति में रहती है।

शिव की पंचायत का किया वर्णन

कथा के दौरान उन्होंने भगवान शिव की पंचायत का वर्णन करते हुए भगवान शिव, माता दुर्गा, भगवान हरि, श्रीगणेश और भगवान सूर्य के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इन देवों का स्मरण जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है।

भक्ति की कोई उम्र नहीं होती

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि भगवान की भक्ति करने के लिए किसी विशेष आयु की आवश्यकता नहीं होती। जब भी मन में श्रद्धा जागृत हो जाए, उसी क्षण से भक्ति प्रारंभ हो जाती है। उन्होंने ध्रुव, प्रह्लाद, मीराबाई, कर्माबाई, तुकाराम, नामदेव और रामकृष्ण परमहंस जैसे महान भक्तों का उदाहरण देते हुए कहा कि सच्ची भक्ति ही मनुष्य को ईश्वर के निकट पहुंचाती है।

कुबेरेश्वरधाम बना सेवा और समर्पण का महाकुंभ

कुबेरेश्वरधाम में इन दिनों सेवा का अद्भुत दृश्य देखने को मिल रहा है। यहां विदेशों से आए युवाओं, डॉक्टरों, इंजीनियरों, चार्टर्ड अकाउंटेंट, विद्यार्थियों तथा विभिन्न क्षेत्रों के सेवादार पूरी निष्ठा के साथ श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हैं। कोई भोजन प्रसादी परोस रहा है, तो कोई जूठे बर्तन साफ कर रहा है और कोई परिसर की स्वच्छता बनाए रखने में लगा है।

उतना लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में अभियान

भोजन प्रसादी स्थल पर अन्न की बर्बादी रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उतना लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में संदेश के माध्यम से श्रद्धालुओं से आग्रह किया जा रहा है कि वे आवश्यकता अनुसार ही भोजन लें। यदि कोई श्रद्धालु भोजन छोड़ देता है तो सेवादार हाथ जोड़कर विनम्रता से अन्न की महत्ता बताते हुए उसे भोजन की बर्बादी न करने का आग्रह करते हैं।

बाहरी आडंबरों से अलग है दादाजी धूनीवाले धाम, जहां आध्यात्मिक शक्ति का होता है अनुभव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खंडवा में प्रसिद्ध दादाजी धूनीवाले धाम में किए दर्शन-पूजन

भोपाल (निज संवाददाता) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खंडवा के सुप्रसिद्ध धूनीवाले दादाजी का स्वभाव जनकल्याणकारी भावनाओं से ओत-प्रोत था। उन्होंने अपने जीवनकाल में सर्वधर्म सद्भाव, भूखों को अन्न खिलाने और श्रद्धा-भाव से सभी भक्तों के कष्टों के निवारण को प्राथमिकता दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दादाजी धूनीवाले धाम बाहरी आडंबर से अलग है और यहां आने के बाद हर किसी को आंतरिक और आध्यात्मिक शक्ति का अनुभव होता है। बड़े दादाजी और छोटे दादाजी का यह अविस्मरणीय स्थान खंडवा ही नहीं, संपूर्ण मध्यप्रदेश के लिए गौरव और आस्था का स्थान रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव सोमवार को खंडवा जिला मुख्यालय में दादाजी धूनीवाले धाम में दर्शन-पूजन करने के बाद स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से दादाजी धूनीवाले धाम में हो रहे निर्माण कार्यों को लेकर कई तरह की मत भिन्नता थीं। राज्य सरकार ऐसी सभी समस्याओं का समाधान निकालते हुए विकास कार्यों को गति प्रदान कर रही है। दादाजी धूनीवाले धाम की मर्यादा के अनुरूप राज्य सरकार सभी प्रकार से नियम और संयम का पालन कर दादाजी के आशीर्वाद से इस धाम को भव्य और दिव्य बनाएगी। सरकार हर संभव प्रयास करेगी।

ब्रिक्स देशों का संस्कृति सम्मेलन 5 से 8 अगस्त तक भोपाल में

- ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्री और प्रतिनिधि होंगे शामिल

भोपाल, 27 जुलाई (हि.स.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ब्रिक्स सम्मेलन (ब्रिक्स कल्चरल ट्रैक मीटिंग) आगामी 5 से 8 अगस्त तक भोपाल में आयोजित होगा, इसमें ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्री और प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। ब्रिक्स देशों के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।

यह जानकारी सोमवार को भोपाल संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने कमिश्नर कार्यालय में सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा बैठक में दी। इस अवसर पर उन्होंने तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सम्मेलन की सभी व्यवस्थाएं भारत की संस्कृति, गौरव एवं परम्परा के अनुरूप उत्कृष्ट हों। उन्होंने माइक्रो प्लानिंग पर जोर देते हुए केन्द्र एवं राज्य शासन के सभी अधिकारियों को पूर्ण समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय की संचालक प्रियंका चंद्र

वीसी के माध्यम से मौजूद रही, जबकि कमिश्नर कार्यालय में भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, स्मार्ट सिटी सीईओ अंजू अरूण कुमार, संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी, पुरातत्व विभाग, संस्कृति विभाग, एमएचएआई सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रस्तावित कार्यक्रम

प्रस्तावित कार्यक्रम अनुसार ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन में पांच अगस्त को ब्रिक्स देशों की तकनीकी समितियों की बैठक भोपाल के मिंटो हॉल में होगी। सायंकाल सदस्यगण इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का भ्रमण करेंगे। इसके अगले दिन 6 अगस्त को पुनः ब्रिक्स देशों की तकनीकी समितियों की मिंटो हॉल में बैठक होगी, जबकि सायंकाल रवीन्द्र भवन में ब्रिक्स कल्चरल फेस्टीवल में ब्रिक्स देशों के कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां होंगी।

अगले दिन 7 अगस्त को ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों का आगमन होगा और उसके पश्चात वे भोपाल में ट्राइबल म्यूजिनियम, वन विहार एवं राज्य संग्रहालय का भ्रमण करेंगे। शाम 5 बजे से 7 बजे तक रवीन्द्र भवन में ब्रिक्स कल्चरल फेस्टीवल एवं कल्चरल शो का आयोजन किया जाएगा। वहीं, 8 अगस्त को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों की कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में बैठक होगी। अपराह्न के समय सांची स्तूप का भ्रमण प्रस्तावित है।